सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 280 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 23 जुलाई 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय/गर्ल की जरूरत है।
8 से 10 हजार रुपए तक वेतन
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659


## छत्तीसगढ़ में अब डेंटल स्टूडेंट को मिलेगा ग्रामीण क्षेत्रों में 2 साल सेवा देने का मौका

**मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की बड़ी घोषणा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रविवार को युवाओं के साथ भेंट-मुलाकात की। इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बड़ी घोषणा की है। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि अब छत्तीसगढ़ में डेंटल की पढ़ाई कर रहे युवाओं की ओर से सवाल पूछा। उन्होंने शासकीय दांत चिकित्सा महाविद्यालय में इंटर्न की भर्ती को लेकर अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि एमबीबीएस की तरह डेंटल के स्टूडेंट्स को ग्रामीण क्षेत्रों में 2 साल तक काम करने का मौका मिलेगा। अब तक एमबीबीएस करने वालों को ही ग्रामीण क्षेत्रों में प्रैक्टीस का मौका दिया जाता है।

इस संबंध में डॉ. सुयश बघेल ने डेंटल की पढ़ाई कर रहे युवाओं की ओर से सवाल पूछा। उन्होंने शासकीय दांत चिकित्सा महाविद्यालय में इंटर्न की भर्ती को लेकर अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि एमबीबीएस की तरह मौका डेंटल स्टूडेंट को मिले। इसके

ग्रामीण क्षेत्रों में 2 वर्ष सेवा देने का डेंटल के स्टूडेंट्स को ग्रामीण क्षेत्रों में दो साल कम करने का मौका दिया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक सवाल के जवाब में घोषणा करते हुए कहा कि अगली वैकेंसी छत्तीसगढ़ी भाषा के लिए निकलेगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छात्रा समृद्धि शुक्ला ने स्वास्थ्य केंद्रों में फीजियोथेरेपिस्ट की नियमित नियुक्ति व छात्रावास की मांग की। इस पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छात्रावास की व्यवस्था करने के लिए सहमति दी।

जवाब में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सीएम भूपेश बघेल ने इस दौरान अपनी पढ़ाई लिखाई के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में विस्तार से बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बचपन में अपने गांव में सड़कें बिजली नाली की समस्या को देखता था और मुझे लगता था कि विधायक ही इस समस्या का समाधान करता है। मेरे मन में भी आया कि मैं भी एक दिन विधायक बनूंगा और लोगों की समस्याओं का समाधान करूंगा।

## खास - खबर

### मछली पकड़ने गए युवक की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत, दो बाल-बाल बचे

**जांजगीर चाम्पा।** जांजगीर चांपा जिले के बलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम खैजा में आकाशीय बिजली गिरने से युवक की मौत हो गई। घटना शनिवार शाम की है। घटना के वक्त युवक अपने दो अन्य दोस्तों के साथ तालाब में मछली पकड़ने गया हुआ था। वहीं दो युवक आकाशीय बिजली की चपेट में आने से बाल-बाल बचे है। दोनों बेहोश हो गए थे।

मृतक युवक की पहचान राकेश रोहिदास (24) साल के रूप में हुई है। थाना प्रभारी गोपाल सतपथी ने बयाता कि राकेश रोहिदास रोजी मजदूरी का काम करता है। वह अपने दो अन्य दोस्तों के साथ शनिवार की शाम करीबन तीन बजे मुड़पार के तालाब में मछली पकड़ने गया हुआ था। इस दौरान तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरी। जिसमें राकेश रोहिदास घायल हो गया था जिसे उपचार के लिए बलौदा सीएचसी अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक राकेश की शादी हो चुकी है, उसका एक छोटा बच्चा भी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

### मानव तस्करी के आरोप में नक्सलियों ने की ग्रामीण हत्या, रस्सी से गला घोंटकर ले ली जान

**नारायणपुर।** छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में नक्सलियों द्वारा ग्रामीण की हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। नक्सलियों ने मानव तस्करी के आरोप में ग्रामीण की हत्या की है। मामला जिले के धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र छोटेडोंगर थाना के ग्राम कलेपाल रोहताड़ का है। यहां के जंगल में ले जाकर नक्सलियों ने ग्रामीण की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी।

नारायणपुर जिले के एएसपी हेमसागर सिदार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यह घटना शुक्रवार रात की है। पुलिस ने बताया कि ग्रामीण सुकासिंह कचलाम को नक्सलियों की आमदई एरिया कमेटी ने पहले अगुवा किया। इसके बाद जंगल में ले जाकर उसकी रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। नक्सलियों का आरोप है कि सुकासिंह कचलाम ग्रामीणों को नौकरी के बहाने दूसरे राज्यों में ले जाता है। इसी वजह से नक्सलियों ने ग्रामीण की हत्या की। नक्सलियों ने हत्या के बाद मौके पर एक पर्चा भी छोड़ा है। पुलिस ने इस मामले में नक्सलियों पर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

### एक माह में तीसरी बार छत्तीसगढ़ पहुंचे अमित शाह

## हाईलेवल मीटिंग में कमजोर सीटों को मजबूत बनाने पर हुआ मंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का बिगुल बज चुका है। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ में मजबूत कांग्रेस का तोड़ ढूंढने में लगी हुई है। इसके लिए केन्द्रीय नेतृत्व लगातार जुगलबंदी कर रहा है। इसी कड़ी में बीते एक माह के भीतर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह तीन बार छत्तीसगढ़ के प्रवास पर आ चुके हैं। शनिवार को भी देर शाम गृहमंत्री अमित शाह रायपुर पहुंचे। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में भाजपा नेताओं की हाईलेवल मीटिंग ली। बताया जा रहा है कि इस दौरान अमित शाह ने छत्तीसगढ़ की कमजोर सीटों को मजबूत बनाने की रणनीति पर चर्चा की।

मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार देर रात ढाई घंटे तक बीजेपी नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल सहित पार्टी के प्रथम पंक्ति के नेता शामिल रहे। पार्टी सूत्रों के अनुसार इस दौरान अमित शाह ने आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। इस दौरान अमित शाह ने घोषणापत्र समिति व आरोप पत्र समिति के कार्यों का रिव्यू भी लिया। बताया जा रहा है कि अमित शाह ने पार्टी नेताओं को चुनाव जीतने का मंत्र बताया और कमजोर सीटों पर मजबूती के साथ काम करने का निर्देश दिया।

### नए सिरे से रणनीति बनाने का निर्देश

पार्टी नेताओं से बैठक के दौरान अमित शाह ने नए सिरे से रणनीति बनाने पर जोर दिया। बताया जा रहा है कि अमित शाह ने कमजोर सीटों पर भाजपा को मजबूत करने के लिए बूथ स्तर पर केन्द्रीय योजनाओं की जानकारी देने और लोगों को कांग्रेस पार्टी के भ्रष्टाचार को उजागर करने का भी निर्देश दिया है। इसके अलावा विधानसभा चुनाव में टिकट को लेकर भी चर्चा हुई है। यह भी बताया जा रहा है कि इस बार भाजपा कई नए चेहरों को सामने ला सकती है। 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व का सर्वाधिक फोकस छत्तीसगढ़ पर ही है।

### हर जिले में शुरू होंगे दो सहारा सहायता केंद्र

शनिवार को पार्टी नेताओं की बैठक लेने के बाद अमित शाह ने रायपुर में ही रात्रि विश्राम किया। इसके बाद रविवार को दिल्ली रवाना होने से पहले वे कई समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने शाह की मौजूदगी में राज्य के हर जिले में दो सहारा सहायता केंद्र शुरू करने की घोषणा की है। जिन लोगों ने सहारा में निवेश किया है और जिनके पैसे फंसे हैं उन्हें उनकी राशि वापस दिलाने इन सहायता केन्द्रों में मदद मिलेगी। इसके बाद अमित शाह रायपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए। रायपुर से वे दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

बता दें अमित शाह इसी महीने 5 जुलाई को प्रदेश कार्यालय रायपुर में एक और बैठक ले चुके हैं, तब खबर सामने आई थी कि भाजपा की परफॉर्मेंस से शाह संतुष्ट नहीं हैं। वहीं शनिवार की बैठक के बाद भी उन्होंने इसी बात के संकेत दिए।

## भाजपा कार्यकर्ता विधायक देवेन्द्र के समक्ष कांग्रेस पार्टी में शामिल

**विधायक देवेन्द्र यादव ने किया पार्टी में स्वागत**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की जनहितकारी योजनाओं और भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव के काम से प्रभावित होकर भाजपा के सक्रिय सदस्यों और वार्ड 46 दुर्गा मंदिर वार्ड और छावनी के सैकड़ों युवाओं ने कांग्रेस का हाथ थामा है।

इस अवसर पर विधायक देवेन्द्र यादव ने कांग्रेस परिवार में सभी का स्वागत कर सब का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आप सब ने कांग्रेस परिवार पर जो विश्वास किया है। वह विश्वास हमेशा बना रहेगा। हम सब का उद्देश्य प्रदेश की जनता के हित और विकास के लिए काम करना है। शासन की जनहित के योजनाओं को जनता तक पहुंचा है।

दुर्गा मंदिर वार्ड के युवा टीम में संदीप साहू, सूर्य चौधरी, प्रशांत कुमार, राजीव सिंह,शंकर चौधरी, राकेश वर्मा, सूरज म्हाते, विकाश चौधरी, चंचल चौधरी (मिथुन), रवि कृष्णा, आदि कनोजिया, शुभम कंजोईया, उदय, श्रीणु, वनीश, आशिन अली, ललित कुमार, घुपतेश चौधरी, राहुल चौधरी, अनिकेत सहनी, हिमांशु निर्मलकर, रोहित कुमार, साहिल यादव, हर्ष कुमार, श्रवण कुमार शाह, अरविंद चौधरी, राजेश शाह, सुजल, अरविंद,कृष्णा, क्रिश, वेदांत साहू, सुजीत राय छतरी, कुंदन भास्कर, शंकर दयाल सिंह, जीतू कुमार, पुष्कर सिंह राजपूत, कुलदीप पासवान, कामरान अहमद, अंकित साहू, रोहन साहू, पुलकित कुमार शामिल हुए।

इसके अलावा हरेली त्यौहार पर्व पर भाजपा सदस्यों और पदाधिकारियों ने कांग्रेस से हाथ मिलाया है। वार्ड 40 छावनी के भाजपा के करीब 40 ऐसे सदस्यों ने भाजपा की सक्रिय सदस्यता छोड़कर कांग्रेस का हाथ थामा ।

### इंटकवेल में कचरा : एसडीआरएफ व निगम की टीम लेकर पहुंचे वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** मानसून में लगातार बारिश होने एवं मोगरा जलाशय के गेट खोलने से शिवनाथ का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जिससे शिवनाथ नदी तट में लगे 24 एमएलडी के इंटकवेल में कचरा आने की बार-बार शिकायतों के कारण घरों में पेयजल सप्लाई में दो दिनों से बाधा आ रही है। लगातार बढ़ रहे जलसंकट को सामान्य बनाने हेतु शहर विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल व जिला कमांडेट सहित एसडीआरएफ की टीम व निगम के जलविभाग से संबंधित अधिकारियों को लेकर नदी तट पहुंचे। वोरा ने आयुक्त नगर निगम से चर्चा कर इंटकवेल के लिए 160 लाख के मोटर पम्प व नाला डायवर्सन में लगने वाले ट्रासफार्मर व पम्प में विलंब का कारण जाना और अगस्त तक कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

### दुर्ग पुलिस की सरप्राइज जांच : तड़के बांबे आवास क्षेत्र में दबिश.....

## 8 आदतन चोर सहित शराब कोचिए व वारंटी पकड़ाए

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** शहर के बांबे आवास में रविवार तड़के 4 बजे दुर्ग पुलिस की टीम ने रेड की कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस की टीम ने कॉलोनी को चारों ओर से घेर लिया और संदिग्ध दिखने वालों की धरपकड़ की। पुलिस की टीम को 12 से ज्यदा संदिग्ध मिले हैं। बताया जा रहा है कि इनमें से 8 शातिर चोर हैं। वहीं 3 शराब कोचिए तथा वारंटी बदमाश भी धरे गए। रेड के दौरान पुलिस को चोरी के वाहन भी मिले हैं जिन्हें जब्त किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग पुलिस ने शहर के बांबे आवास में छापेमारी की। बताया जा रहा है कि पुलिस को यहां पर अपराधिक गतिविधियों की सूचना मिली थी। एसपी शलभ कुमार सिन्हा के निर्देश पर रविवार सुबह 4 बजे पुलिस की टीम पहुंची। पुलिस की टीम में 8 अधिकारी, 18 टीआई और 250 जवान शामिल रहे। ताबड़तोड़ कार्रवाई से बांबे आवास में हड़कंप मच गया। बदमाश किस्म के युवकों में अफरा तफरी देखी गई।

### राशन पहुंचाना पहले टेढ़ी खीर थी, अब आसान

जांच के दौरान 13 से अधिक संदिग्ध पकड़े गए, जिसमे 8 आदतन चोर, 3 शराब कोचिए, वारंटी, गुंडे, बदमाश आदि गिरफ्तार किए गए। जिनकी जांच थाना मोहन नगर के द्वारा की जा रही है। अन्य संदिग्धों को पकड़ कर थाना मोहन नगर में लाया गया। जांच में कई वाहन ऐसे भी पाए गए हैं जिनका मालिक का अता पता नहीं लगा है। इस दौरान 6 वाहन को भी जब्त कर थाने लाया गया है। जिसमे 04 वाहन चोरी के पाए गए हैं। सरप्राइस चेकिंग के दौरान थाना मोहन नगर के धारा 307 व 354 का वारंटी भी सरप्राइस चेकिंग अभियान में पकड़ाया। उपरोक्त सरप्राइस चेकिंग अभियान में नगर पुलिस अधीक्षक आशीष बंछोर, डीएसपी क्राइम राजीव शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक आईयूसीएडब्ल्यू शिल्पा साहू, उप पुलिस अधीक्षक संजय पुंढीर, डीएसपी विनोद मिंज, डीएसपी हेड क्वार्टर मणि शंकर चंद्रा, रक्षित निरीक्षक दुर्ग रमेश कुमार चंद्र सहित अन्य थाना प्रभारी 250 से अधिक पुलिस जवान उपस्थित रहे।

## पारम्परिक ज्ञान को लेकर आगे बढ़ता छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ

झोला-छाप एक फूहड़ टिप्पणी है उन लोगों के लिए जो पारम्परिक ज्ञान को अब तक सहेजे हुए हैं। यह न केवल अपमानजनक है बल्कि यह हमारी उस दोहरी मानसिकता को भी दर्शाता है जिसके तहत हम पुरातन संस्कृति की बातें तो करते हैं पर उसके ज्ञान का सम्मान नहीं कर पाते। यह हमारे लिए केवल आस्था का विषय है। जब हम रामायण की बात करते हैं तो केवल राम, सीता, रावण में ही उलझे रह जाते हैं। इसी ग्रंथ में चिकित्साशास्त्र का भी एक गूढ़ ज्ञान छिपा हुआ है। जब लक्ष्मण युद्धभूमि में मूर्च्छित हो जाते हैं तो वैद्यराज सुषेण उनका उपचार करने आते हैं। वैद्यराज सुषेण लंकाधिपति रावण के निजि चिकित्सक थे। आज रेडक्रास भी यही करता है। वह दोनों ही पक्षों के घायलों को चिकित्सा और स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराता है। कह सकते हैं कि रेडक्रॉस जैसी संस्था की नींव में भी भारतीय परम्पराओं का योगदान है। इसी प्रसंग में यह बात भी आती है कि सुषेण संजीवनी बूटी से प्राण रक्षा की बात करते हैं। महाबली हनुमान संजीवनी लेने के लिए हिमालय तक की यात्रा वायुमार्ग से करते हैं। बूटी पहचान में नहीं आने पर वे पूरा पहाड़ ही उखाड़ कर ले आते हैं। आज पहाड़ उखाड़ कर वायुमार्ग से लाना तो संभव नहीं है पर वैद्यों के पारम्परिक ज्ञान पर शोध कर उसे स्थापित किया जा सकता है। इस विधा में औपचारिक शिक्षा दी जा सकती है और सस्ती सुगम चिकित्सा प्रणाली विकसित की जा सकती है। कोरोना काल इसका श्रेष्ठ उदाहरण है। जब लाखों खर्च करके भी लोग अस्पतालों में स्वस्थ नहीं हो पा रहे थे तब सरकार को भी 'काढ़ा' की बात करनी पड़ी। दरअसल, पाश्चात्य ज्ञान हमारे दिलो-दिमाग पर इस तरह हावी हो चुका है कि हम अपने पारम्परिक ज्ञान को उसी तरह निकाल फेंक रहे हैं जिस तरह दिवाली सफाई में लोग पुरानी किताबों को कबाड़ में बेच देते हैं। छत्तीसगढ़ में सिरहा, गुनिया, गायता, मांझी, मुखिया, वैद्यराज, बजनिया आदि के पास अपने पुरखों से हासिल ज्ञान है। वैद्यराज नाड़ी देखकर जड़ी बूटियों से इलाज करते हैं तो गुनिया लोगों की परेशानियों का हल निकालने की कोशिश करते हैं। गायता गांव के देवी-देवता, पेन पुरखा की पूजा अर्चना कर उन्हें तुष्ट करते हैं। मांझी प्रमुख सियान का कर्तव्य निभाता है। छत्तीसगढ़ ने जिस तरह नरवा-गरुवा-घुरवा-बाड़ी की प्राचीन जीवनपद्धति की तरफकदम बढ़ाया है उसी तरह पारम्परिक चिकित्सा ज्ञान को सीधे खारिज करने की बजाय उसे भी आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। उसे आधुनिक चिकित्सा शास्त्र के साथ जोड़ा जा रहा है। अब अस्पतालों के चिकित्सक सिरहा, गुनिया, बैगा को बुलाकर उनका सम्मान कर रहे हैं। उन्हें विभिन्न बीमारियों के लक्षणों की जानकारी देकर चिन्हित मरीजों को तत्काल अस्पताल भेजने में उनका सहयोग मांग रहे हैं। यह कोशिश कुछ जगहों पर रंग लाने लगी है। निश्चित तौर पर प्राचीन और आधुनिक ज्ञान का यह संगम बेहतर नतीजे देगा।

## संपादकीय

# वीआईपी कल्चर की बीमारी

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डी वाई चंद्रचूड़ के सामयिक दखल ने जुडिशरी से जुड़े एक विवाद को और अप्रिय रूप लेने से पहले ही खत्म कर दिया। उन्होंने गुरुवार को हाईकोर्टों के चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर कहा कि जजों को अपने विशेषाधिकार के इस्तेमाल को लेकर सतर्क रहना चाहिए। उनकी यह पहल खास तौर पर उस विवाद के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जो इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज की तरफ से रेलवे अधिकारियों से जवाब तलब किए जाने की वजह से शुरू हुआ था। जज की ओर से रेलवे अधिकारियों के भेजे गए पत्र में कहा गया था कि दिल्ली से प्रयागराज की यात्रा के दौरान ट्रेन तीन घंटे लेट हो गई और बार-बार संपर्क किए जाने के बावजूद जज के कोच में न तो जीआरपी के लोग पहुंचे और न पैंट्री कार के कर्मचारी। यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था और लोगों की इस पर तरह-तरह की टिप्पणियां आ रही थीं। गौर करने की बात है कि ट्रेनों का तीन घंटे लेट होना अपने देश में कोई बड़ी बात नहीं है। अक्सर ट्रेनें इससे बहुत ज्यादा लेट हो जाती हैं और यात्रियों को तमाम असुविधाएं झेलनी पड़ती हैं। रेलवे की सेवा में ये कमियां कोई अच्छी बात नहीं है और इस पर ध्यान देने की जरूरत है। अपनी सीमाओं के बीच रेलवे सेवाओं में सुधार लाने की कोशिश भी कर रहा है, लेकिन सचाई यही है कि लाखों यात्रियों को तमाम तकलीफों के बीच सफर करना पड़ता है। ऐसे में अगर कोई जज या कोई अन्य वीआईपी सिर्फ इस वजह से नाराज हो जाएं कि उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप सुविधाएं क्यों नहीं उपलब्ध कराई गईं तो निश्चित रूप से पब्लिक के बीच इससे कोई अच्छा मेसेज नहीं जाएगा। हालांकि अपने देश में वीआईपी कल्चर की बीमारी पुरानी है, लेकिन जुडिशरी हो या समाज और व्यवस्था का कोई अन्य जिम्मेदार हिस्सा, उसे इस बीमारी से लड़ते हुए दिखना चाहिए, न कि इसे और बढ़ाते हुए। इस लिहाज से चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया चंद्रचूड़ का यह पत्र बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने इसमें साफ-साफ लिखा है कि जजों को प्रोटोकॉल के तहत जो सुविधाएं मिली हुई हैं, उनका इस्तेमाल खुद को पब्लिक से अलग या ऊंचा साबित करने या ताकत दिखाने के लिए नहीं करना चाहिए। इनका इस्तेमाल करते हुए ध्यान रखा जाना चाहिए कि इससे अन्य लोगों को किसी तरह की तकलीफ न हो और न ही इसकी वजह से जुडिशरी को सार्वजनिक आलोचना का पात्र बनना पड़े। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया का यह पत्र भले ही किसी हाईकोर्ट के एक जज के आचरण के संदर्भ में लिखा गया हो, इसकी भावनाएं राजनीति और नौकरशाही से जुड़े उन लोगों पर भी लागू होती हैं, जो अपने विशेषाधिकारों का आनंद उठाना और इनकी नुमाइश करना अपनी आदत बना चुके हैं। उम्मीद है कि ऐसे तमाम लोगों के लिए यह पत्र एक सीख का काम करेगा।

> चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया का यह पत्र भले ही किसी हाईकोर्ट के एक जज के आचरण के संदर्भ में लिखा गया हो, इसकी भावनाएं राजनीति और नौकरशाही से जुड़े उन लोगों पर भी लागू होती हैं, जो अपने विशेषाधिकारों का आनंद उठाना और इनकी नुमाइश करना अपनी आदत बना चुके हैं।

## जागो देश जागो

उस इको-सिस्टम को मणिपुर में किसने चलते रहने की इजाजत किसने दी है, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं हुई हैं और उन पर अपेक्षित प्रशासनिक प्रतिक्रिया नजर नहीं आई है? अब हकीकत यह है कि पानी सिर के ऊपर से गुजर रहा है।

वायरल हुए मणिपुर के वीडियो से यह सवाल उठा है कि क्या इस देश के कर्ता-धर्ताओं और नागरिक समाज में रत्ती भर भी शर्म बची है! दो महिलाओं को नंगा घुमाया गया, संभवत: उनसे सामूहिक बलात्कार किया गया, पुलिस ने इसकी शिकायत दर्ज की, इसके बावजूद ढाई महीने तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई, तो क्या यह सिर्फ संयोग है? या मणिपुर की सरकार और वहां कानून लागू करने के लिए जिम्मेदार एजेंसियों का इतना सांप्रदायीकरण हो गया है कि वे ऐसे भयानक- बर्बर कृत्य को भी सांप्रदायिक नजरिए से ही देखते हैं? मणिपुर में ढाई महीने से हिंसा जारी है और इस दौरान महिलाओं के साथ यौन हिंसा भी हुई है, ऐसी खबरें मीडिया में आती रही हैं। यह सोच कर विवेक भोथरा हो जाता है कि ऐसी खबरों के बावजूद देश के प्रधानमंत्री ने इस पर आज तक मणिपुर की स्थिति पर अपनी जुबान नहीं खोली है। ताजा वीडियो के बाद सरकार की तरफ से केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी का बयान जरूर आया है। लेकिन उससे भी इस बात का जवाब नहीं मिलता कि ऐसी घटनाओं के लिए जवाबदेह कौन है?

उस इको-सिस्टम को वहां चलते रहने की इजाजत किसने दी है, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं हुई हैं और उन पर अपेक्षित प्रशासनिक प्रतिक्रिया नजर नहीं आई है? मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक वीडियो में दर्ज घटना फेक न्यूज का नतीजा था। एक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया, जिसमें एक महिला लाश बोरे में बंद थी। उसे मैतेई महिला बताया गया, जबकि बाद में स्पष्ट हुआ कि वह दिल्ली में हुई एक हत्या की शिकार हुई महिला की तस्वीर थी। लेकिन तब तब फेक न्यूज अपना काम कर चुका था। मैतेई समुदाय का एक समूह कूकी महिलाओं से बदला लेने के लिए सामूहिक बर्बरता पर उतर आया था। तो यह सवाल भी प्रासंगिक है कि फेक न्यूज के कल्चर को किसने संरक्षण दिया है? बहरहाल, बात यह है कि पानी अब सिर के ऊपर से गुजर रहा है। अगर इसके खतरों को अब भी नहीं समझा गया और देश की शर्म नहीं जागी, तो सामूहिक रूप से डूबने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा।

## कौन बनेगा ईडी का प्रमुख?

यह यक्ष प्रश्न है, जिसका जवाब भी सिर्फ दो लोगों को पता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अलावा अभी किसी को अंदाजा नहीं है कि प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी का प्रमुख कौन बनेगा। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद संजय कुमार मिश्रा का रिटायर होना तय है। वे 31 जुलाई को पद छोड़ेंगे। उससे पहले केंद्र सरकार को ईडी का नाम तय करना है। जब से सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया है तब से इस बात के कयास लगाए जा रहे हैं। सबसे पहले तो यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि कोई आईआरएस अधिकारी ही ईडी प्रमुख बनेगा या कोई आईपीएस और आईएएस भी बन सकता है? इसके बाद यह कयास लगाया जा रहा है कि क्या किसी रिटायर अधिकारी को भी ईडी बनाया जा सकता है? एक कयास यह भी है कि कोई ईडी नियुक्त होगा या नंबर दो अधिकारी को प्रभार दे दिया जाएगा?

ध्यान रहे संजय मिश्रा से पहले करनैल सिंह काफी समय अतिरिक्त प्रभार में निदेशक रहे थे। राजन कटोच को बीच में हटाए जाने के बाद अगस्त 2015 में करनैल सिंह को अतिरिक्त प्रभार दिया गया था और वे अक्टूबर 2016 तक यानी सवा साल तक अतिरिक्त प्रभार में ईडी चलाते रहे थे। बहरहाल, अब संजय मिश्रा की जगह लेने के लिए तीन आईआरएस अधिकारियों के नाम की चर्चा है। सीबीडीटी के चेयरमैन नितिन गुप्ता, हाल ही में सीबीडीटी के सदस्य बनाए गए प्रवीण कुमार और कुछ समय पहले तक फाइनेंशियल इंटेलीजेंस यूनिट के प्रमुख रहे पंकज मिश्रा का नाम चर्चा में है। इनके अलावा ईडी में रह चुके सीमांचल दास के नाम की भी चर्चा है और एक महिला अधिकारी का नाम भी लिया जा रहा है। सरकार के बहुत करीब रहे एक रिटायर आईपीएस अधिकारी के नाम की भी ईडी निदेशक पद के लिए चर्चा है।

> **मायावती अकेली नहीं हैं। ओडिशा के बीजू पटनायक, आंध्र प्रदेश के जगन मोहन रेड्डी, तेलंगाना के के. चंद्रशेखर राव और कर्नाटक के जनता दल (सेक्युलर) के देवेगौड़ा पिता-पुत्र भी इस मामले में उनके हमकदम साबित होते आए हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि एनडीए या इंडिया से उन्हें कोई बुलावा नहीं आया। हालांकि, आम चुनाव में उनकी भूमिका को दरकिनार नहीं किया जा सकता।**

# चुनावी मोर्चाबंदी का अंतिम दौर

शशि शेखर

भारतीय संसदके मानसून सत्र के शुरुआती दो दिनों के संकेत साफ हैं। अगले आम चुनाव के लिए गोलबंदी की नींव पुख्ता हो चली है। एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) और इंडिया (भारतीय राष्ट्रीय विकासवादी समावेशी गठबंधन) के सदस्य इस बार अपेक्षाकृत एकजुट दिखे। विपक्ष के विरोध के चलते संसद का शीतकालीन सत्र भी बाधित हुआ था, पर उस समय आपसी बिखराव साफ दिखता था। नई उपजी इस एकजुटता को क्या आने वाले चुनावी महीनों का दिशा संकेत मान लेना चाहिए?

ऐसा मान लेने में कोई हर्ज नहीं है। गुजरे मंगलवार को परिष्कृत एनडीए और इंडिया की बैठकों से दोनों पक्षों का मन-मिजाज साफ हो गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इन वाक्यों पर गौर फरमाइए, 'हम बहुत मेहनत करेंगे। घर-घर जाएंगे और आप सबके साथ, सबके विश्वास के जरिये सन 2024 में 50 प्रतिशत से भी अधिक वोट पाएंगे।' उनके इस बयान से कुछ घंटे पहले बेंगलुरु में ममता बनर्जी ने कहा था, 'इंडिया जीतेगा, भाजपा हारेगा।' तय है, दोनों पक्ष अपने जोश को जगजाहिर कर रहे थे। जंग के लिए जोश जरूरी है।

यहां कुछ सवाल उठने लाजिमी हैं। क्या एनडीए बनाम इंडिया की लड़ाई किन्हीं मूल्यों के लिए लड़ी जा रही है? यह विचारधाराओं की टकराहट है अथवा सत्ता की? महाभारत से आज तक के सत्ता-संघर्ष पर नजर डाल देखिए। सारी जंगें सिद्धांतों के नाम पर लड़ी गईं, मगर उन्हें जीतने के लिए हर नैतिक मूल्य की बलि चढ़ाई गई। बेंगलुरु और नई दिल्ली के जमावड़ों की तस्वीरें इस कड़वे सच की अगली कड़ी मात्र हैं। इन चित्रों में जो गलबहियां डाले दिख रहे थे, उनके मुस्कराते चेहरों के पीछे आपसी कटुता का लंबा सिलसिला छिपा है। राजनीति में मित्र शत्रु के और शत्रु मित्र के मुखौटे कब धारण कर लें, कोई नहीं जानता।

यही वजह है कि जब बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो सुश्री मायावती ने पत्रकार-वार्ता का आयोजन किया, तो संवाददाता बिना लिफाफा देखे खत का मजमून समझ गए थे। वे जानते थे कि मायावती अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा करेंगी। पंजाब में अकालियों और हरियाणा में क्षेत्रीय पार्टियों के साथ वह इस बार भी चुनावी गठबंधन कायम रखेंगी, लेकिन ये दोनों सूबे उनके असली प्रभाव क्षेत्र उत्तर प्रदेश से अलग हैं। उनके इस फैसले से उनका गृह प्रदेश खासा प्रभावित होने जा रहा है। हमेशा की तरह वह इस बार भी दलित-मुस्लिम गठबंधन बनाने की कोशिश करेंगी। इसका सीधा नुकसान कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गठबंधन को होगा। कोई आश्चर्य नहीं कि इन दलों के नेता उन पर आरोप लगाते हैं कि वह इस फॉर्मूले के जरिये किन्हीं 'खास कारणों' से भारतीय जनता पार्टी की मदद करती हैं, पर जो आरोपों से डिग जाए, वह मायावती कहां? आने वाले विधानसभा चुनावों में भी वह अकेले चुनाव लड़कर अपना रंग दिखाना चाहती हैं। क्या छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान अथवा तेलंगाना में इसका कोई असर पड़ेगा?

मायावती अकेली नहीं हैं। ओडिशा के बीजू पटनायक, आंध्र प्रदेश के जगन मोहन रेड्डी, तेलंगाना के के. चंद्रशेखर राव और कर्नाटक के जनता दल (सेक्युलर) के देवेगौड़ा पिता-पुत्र भी इस मामले में उनके हमकदम साबित होते आए हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि एनडीए या इंडिया से उन्हें कोई बुलावा नहीं आया। हालांकि, आम चुनाव में उनकी भूमिका को दरकिनार नहीं किया जा सकता। सीधी लड़ाई की स्थिति में तीसरे दल या पक्ष की मौजूदगी नई दिल्ली के सत्ता-चयन को हर हाल में प्रभावित करेगी। ये लोग अपनी इस ताकत को पहचानते हैं और इसका प्रयोग अपने वोटबैंक को राष्ट्रीय दलों की ओर मुखातिब होने से रोकने में करते हैं। यही नहीं, अगर दिल्ली का दरबार कभी कमजोर पड़ता है, तो वे समर्थन के बदले अपनी पार्टी और प्रभाव क्षेत्र के लिए मनचाही मुराद पूरी करवाते हैं।

क्या इनसे कन्नी काटकर 'इंडिया' गलती कर रहा है?

यकीनन नहीं। उत्तर प्रदेश का उदाहरण लें। मायावती यदि इंडिया में शामिल हो जाएं, तब भी उत्तर प्रदेश के विपक्षी नेताओं को इस बात का भरोसा नहीं है कि उनका वोट पूरी तरह से स्थानांतरित हो पाएगा। 2019 के चुनाव में यह प्रयोग धूल-धूसरित हो चुका है। यहां आप याद दिला सकते हैं कि इससे चार साल पहले बिहार में राजद और जद-यू का गठबंधन सफल रहा था। जान लें, राजनीति उलटबांसियों का खेल है। यहां कौन समीकरण कब सफल होगा, इसे समूची जिम्मेदारी से कोई नहीं कह सकता।

यही वजह है कि दोनों गठबंधनों में हम कुछ-न-कुछ अंतरविरोध हर हाल में पाते हैं। सत्तारूढ़ एनडीए ने अपना कुनबा बढ़ाया जरूर है, पर महाराष्ट्र और बिहार जैसे बड़े राज्यों में तीन-तीन तलवारें वह कैसे रख पाएगा? भारतीय जनता पार्टी के इस्पाती संगठन में रह-रहकर दरारें दिखती आई हैं। पार्टी ने इसका विधानसभा चुनावों में खामियाजा उठाया है। क्या इन्हें समय रहते भरा जा सकेगा? इंडिया में तो हर कदम पर ऐसी चुनौतियां हैं। बंगाल में कांग्रेस, वाम दल और तृणमूल; बिहार में जद-यू, राजद और कांग्रेस; उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और रालोद; महाराष्ट्र में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) को टिकटों के बंटवारे में तयशुदा तौर पर काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। एनडीए के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत शख्सियत, संसाधन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का साथ है। इंडिया में बड़े-बड़े क्षेत्रीय दिग्गज जरूर हैं, पर उन्हें अभी अपना एक चेहरा अथवा संयोजक चुनना होगा। यही नहीं, मोदी अभी तक भारतीयता, राष्ट्रवाद और हिंदुत्व की जबरदस्त सियासी कॉकटेल रचते आए हैं। इंडिया को इसका 'काउंटर नैरेटिव' गढ़ना होगा। जो लोग यह सोच रहे हैं कि वर्ष 2004 में अटल-आडवाणी की जोड़ी के सामने कोई चेहरा नहीं, सिर्फ गठबंधन था, वे भूलें नहीं। मोदी-शाह की तुलना अटल-आडवाणी से करना भूल साबित हो सकती है।

यहां कुछ और बिंदुओं पर गौर करना जरूरी है। पटना, बेंगलुरु और मुंबई के स्थान-चयन के पीछे क्या कोईरणनीति है? पटना में नीतीश कुमार, कर्नाटक में मल्लिकार्जुन खड़गे मुख्य भूमिका में नजर आए। क्या मुंबई में शरद पवार अथवा उद्धव ठाकरे ऐसा करते दिखेंगे? पटना और मुंबई, दोनों कांग्रेस के छाते से बाहर हैं। क्या इन बैठकों के जरिये छितराए हुए भाजपा विरोधी मतों को संदेश देने की कोई कोशिश है? यह कोशिश तभी कारगर होगी, जब कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के लिए पर्याप्त गुंजाइश छोड़े। क्या कांग्रेस सच्चे मन से अपने साथियों को समाहित करने के लिए कुछ पीछे हटने को तैयार है?

इंडिया के कर्णधार याद रखें। जितना समय बीतता जाएगा, एनडीए फासला बढ़ाता चला जाएगा। उन्हें जो करना है, जल्दी करना होगा। इस मामले में क्या मुंबई बैठक निर्णायक साबित होने जा रही है?

# श्रम और साहित्य के बीच पुल बनाता नौजवान

अखिल के, युवा उपन्यासकार

कहते हैं कि हर इंसानी जिंदगी अपने आप में एक मुकम्मल उपन्यास है। मगर सृष्टि के रचयिता ने रचनाकार बनने की अंतर्दृष्टि सबको नहीं सौंपी। इस जिम्मेदारी के लिए वह हमेशा कुछ खास किरदार चुनता रहा है। इसीलिए, जब 28 साल के एक नौजवान के कथा-संग्रह नीलाचड़यन को केरल साहित्य अकादमी ने अकादमी सम्मान के लिए चुना, तो हैरान होने से ज्यादा मलयालम साहित्य के रसिक आनंदित हो उठे, क्योंकि इसके लेखक अखिल के की जिंदगी अपने आप में काफी प्रेरणादायी है। कुन्नूर (केरल) के एक छोटे से कस्बे में सन् 1995 में पैदा हुए अखिल के पिता फोटोग्राफी का काम किया करते थे, पांच लोगों के परिवार का गुजर-बसर उससे किसी तरह हो पाता था। राहत बस इतनी थी कि सरकारी स्कूल और चिकित्सालय की सुविधा कस्बे में उपलब्ध थी। बढ़ते बच्चों वाले परिवार की जरूरतें भी बढ़ती जा रही थीं, मगर अखिल के पिता की आमदनी घटती चली गई, क्योंकि डिजिटल कैमरों की आमद हो चुकी थी और केरल वैसे ही सर्वाधिक अप्रवासी नागरिकों वाला सूबा है। गांव-गांव तक पहुंच चुके इन कैमरों ने छायाकारों को बेरोजगार कर दिया।

बारह साल के अखिल तब छठी कक्षा में पढ़ते थे। पिता को कोई काम नहीं मिल रहा था और घर में फाकाकशी की स्थिति पैदा हो गई। मां और दादी खुद की भूख तो मार लेती थीं, पर बच्चों को कैसे भूख से बिलबिलाते देख पातीं? लिहाजा मां ने दिहाड़ी मजदूरी शुरू कर दी। मां को मजदूरी करते देख किशोर बेटे का कलेजा कटता था। तभी अखिल के मन में एक बात बैठ गई कि कुछ भी करके मां की मदद करनी है। उन्हें पता चला कि कस्बे के एक स्थानीय अखबार के एजेंट को हॉकर की तलाश है। मिन्नत-समाजत के बाद उसने अखिल को काम पर रख लिया।

अखिल को कुछ प्रतियां कस्बे में ही बांटनी थी और वहां से करीब आठ किलोमीटर दूर पेन्नूर में दो सौ घरों में अखबार पहुंचाना था। अखबार पढ़ते हुए क्या कभी आपने इस बात पर गौर किया है कि जो शख्स इसे आप तक लेकर आया है, वह किस हाल में जी रहा है? आंधी हो, बरसात हो या जलजला ही क्यों न आ जाए, उसे नियत समय पर अखबार उठाना और पाठकों तक पहुंचाना ही होता है। ऐसे में, एक 12 साल के किशोर के लिए यह कितनी बड़ी चुनौती रही होगी, जो अंधेरे से घबराता हो? मगर मां के ख्याल ने अखिल के भीतर के भय को मार दिया था। वह तड़के तीन बजे जग जाते और आठ बजे तक अखबार बांटकर घर लौटने के बाद स्कूल की तरफ भागते।

मगर इतनी मशक्कत के बाद भी उन्हें महीने के 350 रुपये ही मिलते। ऐसा करते हुए कई महीने बीत गए, पर घर के हालात जस के तस थे। फिर किसी ने बताया कि पास की नदी के किनारे रेत की खुदाई के लिए एक दिन में इतनी मजदूरी मिल जाती है, जितना पैसा अखिल पूरे महीने में नहीं कमा पाते। जाहिर है, वह अवैध खनन का काम था और रात में ही होता था, मगर अखिल के पास दूसरा कोई विकल्प न था। वह खनन का काम करने के बाद अखबार बांटने जाया करते और इस काम को निपटाते-निपटाते उनके पास इतनी ताकत नहीं बचती कि वह स्कूल की ओर कदम बढ़ा पाते।

जाहिर है, स्कूली पढ़ाई छूटती चली गई, मगर जिंदगी की पाठशाला ने तजुर्बे का पाठ पढ़ाना जारी रखा। रेत की खुदाई के दौरान साथी कामगार तरह-तरह की कहानियां सुनाया करते थे, फिर घर-घर अखबार और पत्रिकाएं बांटते हुए अखिल उनमें छपी चीजों को पढ़ते-गुनते भी रहे। इन सबसे उनकी कल्पनाशीलता को धार मिलती गई। किसी की पीड़ा मर्म बेध जाती, तो किसी के कर्म हैरान कर जाते। ये हमारे आस-पास की दुनिया के पात्र थे, जो अखिल के एहसास के नए-नए तल को छूते गए। तंग गलियों से नदी के तीर तक कहानी के इतने प्लेटफॉर्म मिले कि अखिल ने उन सबको एक कॉपी में दर्ज करना शुरू कर दिया।

इस तरह रोज कुछ न कुछ लिखने का सिलसिला शुरू हुआ। कुछ कहानियां लिख चुके, तो उनको प्रकाशकों के पास भेजा। मगर जैसा कि अक्सर नवोदित रचनाकारों के साथ होता है, कोई जवाब नहीं मिला। स्कूल छूट ही गया था, उन्होंने एक दुकान में सेल्समैन का काम भी किया, मगर जल्द ही महसूस हो गया कि यह अपने मिजाज का काम नहीं है, फिर अखिल ने कुछ घंटे के लिए एक जेसीबी मशीन पर सहायक की नौकरी कर ली। अगले दो वर्षों में उन्होंने जेसीबी मशीन चलाने का अनुभव हासिल कर लाइसेंस भी ले लिया। उन्हें जेसीबी संचालक की नियमित नौकरी मिल गई।

मगर इन सबके बीच उन्होंने अपने लेखन का क्रम भंग नहीं होने दिया। प्रकाशकों की उपेक्षा और अपेक्षा के बीच एक दिन उनकी नजर एक प्रकाशन घराने के फेसबुक इश्तहार पर पड़ी। अखिल ने उनसे संपर्क साधा। बात बन गई। 2020 में ग्रीन हाउस बुक्स ने नीलाचड़यन की कुछ सौ प्रतियां प्रकाशित कीं। फेसबुक पर ही इसकी पब्लिसिटी हुई और इसकी लोकप्रियता का आलम यह है कि तीन वर्ष में इसके सात संस्करण छप चुके हैं। अखिल के एक उपन्यास के पांच संस्करण आ चुके हैं।

वर्षों पहले कुछ ऐसी ही पृष्ठभूमि की बांग्ला लेखिका बेबी हालदार ने आलो आंधारि के जरिये अपनी रचनाधर्मिता से समाज को झकझोरा था, अखिल के ने मलयालम के कथा-जगत को चौंकाया है। जिंदगी से शिकायत रखने वाले तो कदम-कदम पर मिलते हैं, मगर उससे मुठभेड़ करते हुए रास्ता बनाने वालों की नजीर कम ही मिलती है। अखिल के अब मलयालम के एक स्थापित लेखक हैं। जेसीबी पर बैठकर वह भले ही कुछ कुरेदते-ढहाते हों, उनकी कहानियों, उपन्यासों के हर्फ देश-समाज को गढ़ रहे हैं।

**प्रस्तुति : चंद्रकांत सिंह**

# जिस आवाज पर अब झूमती है दुनिया

के जे येसुदास, गायक, संगीतज्ञ

उस स्कूली लड़के का मन संगीत के मधुबन में ही बसता था। जहां कुछ अच्छा सुनाई पड़ता, ठिठक जाता था। 1950 के दशक में संगीत-गीत के अवसर वैसे भी दुर्लभ थे। एक बार कोई गाना सुन लिया, तो पता नहीं अगली बार कभी वह सुनाई पड़े भी या नहीं? उस दिन वह लड़का दो-चार मिनट की देरी से ही स्कूल के लिए रवाना हुआ था। तभी एक चाय दुकान वाले ने अपने ग्रामोफोन पर नया गाना बजा दिया, छुप गया कोई रे, दूर से पुकार के, दरद अनोखे, हाय, दे गया प्यार के...। लता मंगेशकर के इस गीत ने ऐसा समां बांधा कि वह लड़का कान लगाए खड़ा हो गया। लगभग पांच मिनट का गीत जब थमा, रस-तंद्रा टूटी, वह भागा-भागा स्कूल पहुंचा, पर देर हो चुकी थी, मास्टर ने पिटाई से स्वागत किया। तो ऐसा था उसका संगीत प्रेम!

उसका लंबा-चौड़ा परिवार था, अभावों का सिलसिला चला करता था, पर सबके बीच गीत-संगीत का एक सुंदर फूल खिल रहा था। वह जब गाना शुरू करता, सब मंत्रमुग्ध होकर सुनते थे। स्कूल में जब भी प्रतियोगिता होती, वही जीतता था। एक बार हेडमास्टर ने बुलाकर समझाया, 'येसुदास, मुझे किसी प्रतियोगिता में भाग लेने से तुम्हें रोकना तो नहीं चाहिए, पर अब तुम्हें रोकने में ही सबका फायदा है। अब दूसरे लड़कों को जीतने दो। तुम कुशल गायक हो, अब बाहर की प्रतियोगिताओं में भाग लो। आगे बढ़ो, बड़े गायक बनो। कुएं के मेंढक मत बनो।' येसुदास को झटका लगा, पर बात पसंद आई कि कुएं के मेंढक मत बनो। ऐसा लगा कि किसी ने सुरक्षित तालाब से निकालकर ज्वार भरे समुद्र के सामने खड़ा कर दिया हो।

अक्सर देखा गया है, स्कूल में जिनकी ज्यादा वाहवाही हो जाती है, वे फूलकर गुब्बारा हो जाते हैं और कुछ आगे बढ़ते ही फूट-टूट जाते हैं। इस मोर्चे पर उसके गरीब नाट्यकर्मी पिता भी सतर्क थे कि बेटा कम ही उम्र में अहंकार न ओढ़ ले। वह स्वयं को मांजता चले, तय है, चमक पैदा होगी, तो दुनिया देखेगी। अब तो यह भी साबित करना था कि वह केवल अपने स्कूल के ही श्रेष्ठ गायक नहीं हैं। वह संगीत सीखने के लिए दस किलोमीटर दूर जाते थे, पैसे कम थे, पर जब कंडक्टर-ड्राइवर जानने लगे कि यह लड़का मलयाली, तमिल, हिंदी गीत सुंदर गाता है, तो किराये के बदले में गीतों की फरमाइश कर देते थे। वाकई, कला पक्की हो, तो अपनी राह खुद तय कर लेती है। पिता बीमार रहने लगे, पर पुत्र की शिक्षा जारी रही। ऐसी नौबत आई कि पिता को बड़ा घर बेचकर छोटे में जाना पड़ा। संगीत सीखने जब येसुदास घर से दूर त्रिवेंद्रम गए, तब अक्सर पूरा भोजन भी नसीब नहीं होता था। कई-कई दिन केवल तुअर दाल को भुनकर ही भोजन किया। एक संगीतज्ञ के गैराज में रहते थे, उनकी कार चमकाते थे, पर लक्ष्य तय था, अपने संगीत ज्ञान को सिद्ध करना।

शिक्षा पूरी हुई, पर काम मांगने जाना पड़ता था, पिता चाहते थे कि बेटा फिल्मों में गाए। हर बार बीमार पिता साथ चलने के लिए खड़े हो जाते थे। तपस्या से तैयार बेटे को अकेले कैसे छोड़ देते? गर्व से भरपूर पिता आग्रह तक नहीं करते थे, सिर्फ यही कहते थे, 'आप इससे गीत सुनिए, अच्छा लगे, तो इसे फिल्म में मौका दीजिए।' वह मौका आया। नेहरू जी का जन्मदिन था, साल 1961, येसुदास की आवाज में एक छोटा-सा चार पंक्ति का मलयाली गीत रिकॉर्ड हुआ। संगीत निर्देशक ने साउंड इंजीनियर से पूछा, 'कैसी आवाज है?' साउंड इंजीनियर ऐसी सधी हुई सशक्त पवित्र आवाज से अचंभित था, उसने जवाब दिया, 'मैं आपको दस साल बाद बताऊंगा।' संगीतकार समझ गए कि यह आवाज बहुत दूर तक साथ निभाएगी।

दो-चार वर्ष में पूरे दक्षिण भारत में वह सुने जाने लगे। साल 1976 में उत्तर भारत में भी एक से बढ़कर एक दिग्गज आवाजों के बीच आम लोगों ने एक आवाज को चहककर सुना, गोरी तेरा गांव बड़ा प्यारा/ मैं तो गया मारा/ आ के यहां रे। जो बड़े गंभीर संगीत रसिक थे, वे भी गुनगुनाने उठे, तू जो मेरे सुर में, सुर मिला ले, संग गा ले, तो जिंदगी हो जाए सफल।

रोम-रोम से भारतीयता को समर्पित संत समान कट्टास्सेरी जोसफ येसुदास आज भारत के एक सबसे पूजनीय गायक हैं। विभिन्न भाषाओं में 50 हजार से ज्यादा गीत गाने वाले और हर संभव पुरस्कार जीतने वाले येसुदास जीवंत आदर्श हैं। एक समय हेडमास्टर ने प्रतियोगिता में भाग न लेने का आग्रह किया था और एक दिन आया, जब बार-बार पुरस्कार जीतने के बाद स्वयं येसुदास ने कह दिया, 'अब मुझे रहने दिया जाए, दूसरों को अवसर मिले।' भारत के अनेक घरों में आज भी का करूं सजनी आए ना बालम से सुबह होती है और जब शाम होती है, तब गुनगुनाया जाता है, जब दीप जले आना, जब शाम ढले आना।

**प्रस्तुति : ज्ञानेश उपाध्याय**

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

# श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़



इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM




## खास खबर

### सीए ब्रांच भिलाई ने किया एमओयूः सप्ताह में दो बार विद्यार्थियों को कैरियर चयन एव सीए कोर्स की देंगे जानकारी

**भिलाई।** सीए ब्रांच भिलाई द्वारा आज युगांतर पब्लिक स्कूल, राजनांदगांव से एमओयू किया गया। जिसके तहत भिलाई ब्रांच द्वारा स्कूल में पूरे सत्र कैरियर काउंसलिंग की हेल्पडेस्क उपलब्ध रहेगी। इसके अंतर्गत ब्रांच के सीए सदस्य विद्यार्थियों को सीए कोर्स की जानकारी उपलब्ध करायेंगे और बेहतर करियर के चयन का मार्गदर्शन करेंगे।

ब्रांच चेयरमेन सीए पायल नवीन जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि भिलाई ब्रांच द्वारा पहली बार शैक्षणिक संस्थाओं में हेल्पडेस्क की स्थापना की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस हेल्पडेस्क के तहत सप्ताह में 2 बार सीए सदस्य स्कूल में विद्यार्थियों को कैरियर चयन एवं सीए कोर्स आदि पर मार्गदर्शन देंगे। इसके तहत आज यह एमओयू साइन किया गया है। इस दौरान सीए रूपम द्वारा विद्यार्थियों के लिए मोटिवेशनल सेशन का भी आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य रूप से युगांतर स्कूल के चेयरमेन सीए विनोद सादानी, डायरेक्टर सीए अजय सिंघी, सीए राकेश ढोढी, सीए राजेश बाफ्ना, सीए प्रफुल्ल कोठारी, सीए अंकेश सिन्हा, सीए शिवम चौधरी, सीए कनिका डाकलिया, सीए निकिता जैन, सीए अंकित सेठिया, सीए किरण आदि उपस्थित थे।

### बीएसपी में कार्य के दौरान मृत्यु पर बीएमएस ने मांगा अनुकंपा नियुक्ति

भिलाई। भिलाई इस्पात मजदूर संघ का प्रतिनिधिमंडल महाप्रबंधक से मुलाकात कर शनिवार को प्रथम पाली में फाउंड्री शॉप कि राजेश कुमार उईके कि कार्यस्थल पर गिरने पर सिर पर चोट लगने से मृत्यु हो गई। कंपनी की दुर्घटना में मृत्यु होने के नियमानुसार इनके एक आश्रित को जल्द से जल्द अनुकंपा नियुक्ति प्रदान किया जाए। हरि शंकर चतुर्वेदी शारदा गुप्ता ने संयुक्त रूप से कहा कि कर्मचारियों में कम मेन पावर के कारण काम का अत्यधिक दबाव है जिसके कारण हमेशा दुर्घटना बने रहने की संभावना रहती है। चार्ज मैन का पद हर जगह समाप्त किया जा रहा है जिनकी देखरेख में कार्य होता था इसका परिणाम कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। बीएमएस के पदाधिकारियों ने कार्यस्थल का भी दौरा कर खामियों को जाना एवं सेक्टर 9 मर्चुरी पहुंचकर पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से भिलाई इस्पात मजदूर संघ के हरिशंकर चतुर्वेदी, शारदा गुप्ता, वीके तिवारी, विनोद उपाध्याय, रामजी सिंह, श्री निवास मिश्रा, अखिलेश उपाध्याय, उमा महेश्वर राव, दीनानाथ जैसवार सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे।

# जीवन में क्षमा करने के लिए हर समय रेडी रहे-शिवानी दीदी

### जिस संस्कार को यूज करते हैं वह बढ़ते जाते हैं, अच्छे संस्कारों से आत्मा की शक्ति बढ़ती है...

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** अपने श्रेष्ठ जीवन का विजन चित्र बनाएं और उसे जीवन में अप्लाई करें। परीक्षा के समय तैयारी नहीं परीक्षा के पहले तैयारी शुरू होती है, तो हमें भी जीवन में परेशानी आने से पहले मन को बहुत बहुत शक्तिशाली बनाना है, समय ना रुका है ना रुकने वाला है बल्कि और फास्ट गति से भागने वाला है, यह बातें अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता तथा मोटिवेशनल स्पीकर, जीवन प्रबंध विशेषज्ञ, नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी ने सेक्टर 7 स्थित बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ग्राउंड में 'GOD's पावर मेरे पास' कार्यक्रम में कही।

शिवानी दीदी ने बताया कि सुबह का समय मन में पोजिटिव एनर्जी भरने का होता है, स्वयं के प्रति बहुत स्ट्रिक्ट रहना है, स्वयं को धोखा देना बंद कर दो। सर्वप्रथम विधायक देवेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल, अंजनी कुमार, ई डी वर्क्स भिलाई इस्पात संयंत्र, डॉक्टर एम के वर्मा, वाइस चांसलर, सी एस वी टी यू, बी के शिवानी दीदी, आशा दीदी, हेमा दीदी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।

श्रेष्ठ परिवर्तन का एक कदम उठाते हैं तो कई गुना मदद परमात्मा से मिलती है। परमात्मा की शक्तियों पर हमारा अधिकार है। शिवानी दीदी ने बारिश से बचने डॉम का उदाहरण देते हुआ कहा की यह तैयारी पूर्व में की गई है, न की बारिश के समय, यह स्थिती हमारे जीवन पर भी लागू होती है। शिवानी दीदी ने सभा में उपस्थित लोगों से सवाल जवाब करते हुए कहा कि आप अपने बच्चों को कैसे देखना चाहते हैं तो जवाब आया कि नेक दिल, आज्ञाकारी, देश प्रेमी अच्छा बच्चा, संस्कारवान बच्चा होना चाहिए।

भिलाई वालों की दृढ़ता के संस्कारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस बारिश में भी आप भिलाई वालों ने इस कार्यक्रम में आकर अपने संस्कारों को प्रत्यक्ष किया है। संस्कारों के बारे में बताते हुए कहा कि किसी के दुखी रहने के संस्कार, किसी के निश्चिंत रहने के, बिना बात की चिंता करने के, छोटी-छोटी बातों को जीवन भर पकड़कर रखने के संस्कारों को बताया। संस्कारी माना जो समय पर हमारे कर्मों में प्रकट हो। जब सृष्टि पर करोड़ों लोग एक संकल्प करते हैं तो वह सिद्ध हो जाता है।

दुनिया में कहावत है अंत मती सो गति अर्थात मेरी अंत की गति ही खुशी की हो,दुख की नही। परमात्मा की शक्ति मुझ आत्मा पर तथा मुझसे सृष्टि की हर आत्मा को मिल रही है। आपने जीवन में दुआएं, कर्मो की गुह्य गति के बारे में भी विस्तार से बताकर योग द्वारा अनुभव कराया। आपने रक्षाबंधन तक सभी को होमवर्क दिया की नवीनता के साथ जीवन में श्रेष्ठ परिवर्तन करेंगे। सावन मास में शिव की वाणी शिवानी दीदी के आगमन से पूर्व ही जैसे प्रकृति ने वर्षा द्वारा समस्त भिलाई को धोकर शुद्ध कर दिया। तथा कार्यक्रम के समय भी निरंतर जल रूपी पुष्प वर्षा होती रही।

भिलाई स्थित मुख्य सेवाकेंद्र राजयोग भवन में ब्रह्माकुमारी शिवानी दीदी के आगमन पर छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय निदेशक का ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी, आशा दीदी, प्राची दीदी तथा अश्वनी दीदी ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। जिस संस्कार को यूज करते वह बढ़ते जाते हैं, अच्छे संस्कारों से आत्मा की शक्ति बढ़ती है। जीवन में क्षमा करने के लिए हर समय रेडी रहे। स्वास्तिक का अर्थ बताते हुए कहा की स्व की स्थिति श्रेष्ठ हो मुझे जीवन में किसी से कुछ नही चाहिए दुआएं देने वाले सम्मान देने वाली आत्मा बनना है मुझे।

स्वयं सिद्धा ग्रुप की डायरेक्टर सोनाली चक्कर चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में डिवाइन ग्रुप के बच्चों द्वारा मिनी इंडिया भिलाई की अनेकता में एकता की मिसाल और खूबियों को सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम से प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मेडिकल जगत के डॉक्टर्स, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षा जगत के प्रोफ़ेसर, स्टूडेंट्स, सुरक्षा जवान सहित गणमान्य नागरिकों ने उपस्थिति हो कार्यक्रम का लाभ प्राप्त किया।

### गलत बिलीफ हमारे जीवन जीने का तरीका बदल देता है

संस्कारों के आधार पर मन की स्थिति का शरीर का स्वास्थ्य, जीवन के रिश्ते बनते हैं। स्प्रिचुअल लॉ है की संस्कार से संसार बनता है। सभी को 30 सेकंड की चेकिंग की ड्रिल करवाई। आध्यात्मिक शक्ति से अपने संस्कारों को बदलना। एक गलत बिलीफ सिस्टम हमारे जीवन जीने का तरीका बदल देता है। कर्म के परिणाम आने पर हमें दुख या सुख की प्राप्ति होती है। हमारे अपने घर में ही दो बच्चों के संस्कार और भाग्य अलग-अलग होते हैं। हमें हमारे जीवन में बीती बातों को जीते जी खत्म करना है, जीवन के अंतिम समय में नहीं जाते समय मेरी स्थिति क्या होगी।

# कोक ओवन के अधिकारी व कर्मचारी पाली व कर्म शिरोमणि पुरस्कार से हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में शिरोमणि पुरस्कार योजना के अंतर्गत 21 जुलाई 2023 को पाली शिरोमणि एवं कर्म शिरोमणि पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन कोक ओवन के सभागार में किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग) तरुण कनरार उपस्थित थे। मुख्य महाप्रबंधक दवारा बेहतर कार्यशैली के लिए शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

तरुण कनरार ने विभाग के प्रबंधक (सीबीसी ऑपरेशन) अनुराग किशोर दीपक को दूसरी तिमाही (अप्रैल 2023 से जून 2023) के लिए पाली शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया। इसी तारतम्य में जून 2023 के लिए ओसीटी (इलेक्ट्रिकल मेंटेनेंस) सुशील कुमार मरांडी व चार्जमैन कम मास्टर ऑपरेटर (सीबीसी ऑपरेशन) संत कुमार को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया। पुरस्कृत कार्मिकों को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। तरुण कनरार ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को इसी तरह लगन से कार्य करते रहने तथा अपने अधीनस्थ कार्मिकों को भी कार्य में निपुण करने के लिए प्रेरित किया।

इस समारोह में कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के महाप्रबंधक प्रभारी (सीओसीसीडी) डी के सामंतरे, अनुभागप्रमुख व महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) समीर रायचैधरी, महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) पी वी वी एस मूर्ति, महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) बी पासवान, महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) नन्द कुमार, महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) अनुपम आनंद, महाप्रबंधक (सीओसीसीडी) ए आर साहू सहित कार्मिक अधिकारी, श्रीमती अंजली राणा व अन्य अधिकारीगण उपास्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी प्रवीण शर्मा द्वारा किया गया तथा अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी हेमंत कुमार भुआर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# बीएसपी द्वारा कमकासुर में चिकित्सा शिविर का आयोजन

**भिलाई।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र से सम्बद्ध विभिन्न क्षेत्रों में नि:शुल्क चिकित्सा षिविरों का आयोजन किया जा रहा है। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:शुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है।

इसी तारतम्य में 21 जुलाई 2023 को ढुल्की माइंस के समीप स्थित कमकासुर ग्राम पंचायत में नि:शुल्क चिकित्सा षिविर का आयोजन किया गया। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए षिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी के अतिरिक्त नि:शुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। इस षिविर में कुल 35 लोगों की जांच करके उनको दवाई वितरण किया गया, जिसमें 12 पुरूष, 08 महिलाएं तथा 15 बच्चे शामिल थे। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए जनकल्याण के उद्देष्य से विगत कई माह से निरन्तर स्वास्थ्य षिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है। इसका उद्देष्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। उल्लेखनीय है कि सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण षिविर का निरन्तर आयोजन किया जा रहा है।

# निगम की कार्रवाईः नाली के ऊपर अवैध अतिक्रमण को हटाकर किया गया पानी निकासी व्यवस्था

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत निगम महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चंद्रकार के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग अमला अलर्ट मोड़ पर है, लगातार रुक रुक कर भारी बारिश को देखते हुए दुर्ग निगम स्वास्थ्य विभाग अमला अलर्ट मोड़ पर आ गई है। आज महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग अमला के साथ बस्तियों में अवलोकन कर समक्ष नालियो को साफ करवाया। सभी वार्डो की छोटी-बड़ी नाली की सफाई की जा रही है.निगम के कर्मी वार्डो के भीतर नाली से पानी निकासी करने झिल्ली पन्नी व कचरे को निकलने में जुटे रहे।

गौरव पथ मार्ग नाली की सफाई कार्य किया गया और नगर निगम अमला ने पानी जमा क्षेत्रों में ह्यूम पाइप लगाकर पानी की निकासी का कार्य किया जा रहा है, नगर निगम क्षेत्र में सतत निगरानी रखी गई है जहां जहां पानी जमने की स्थिति निर्मित हो रही है वहां पानी निकासी का कार्य निरंतर किया जा रहा है, देखने में पाया गया है कि इस वर्ष कुछ ही स्थानों पर पानी जमाव की स्थिति निर्मित हुई है वर्षा ऋतु को देखते हुए शहर क्षेत्र के सभी नालों नालियों की सफाई करा ली गई थी इसलिए क्षेत्र में पानी जमाव की स्थिति नहीं हो पाई, ऐसे क्षेत्र जो अविकसित है स्थानों पर खाली प्लाटों में पानी भराव पाया गया है उन स्थानों से पानी की निकासी का कार्य रोड काटकर ह्यूम पाइप डालकर किया जा रहा है।

.वार्ड क्रमांक 15 धमधा रोड माही ढाबा द्वारा पानी निकासी और सड़क बाधित नाली निकासी के ऊपर अतिक्रमण किया गया था कार्रवाही कर जेसीबी की मदद से हटाकर पानी की निकासी की गई।मौके पर स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, उपअभियंता पंकज साहू, उपअभियंता हरिशंकर साहू व स्वस्थ्य विभाग अमला मौजूद रहें। स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली ने बताया कि शुक्रवार की सुबह झमाझम बारिश हुई शहर क्षेत्र में सड़को गली मोहल्ले जलभराव होने की शिकायत नही आई।

### हज यात्रा पूरी कर वापस लौटे राज्य के 326 हज यात्री

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन मोहम्मद असलम खान ने बताया कि, राज्य से हज यात्रा पर गए हज यात्रियों का पहला काफिला आज फ्लाईनास की फ्लाइट नंबर XY-7610 से दोपहर 15.50 बजे नागपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा। हज यात्रा पूरी कर लौटे 326 हज यात्रियों के काफिले में 172 पुरुष एवं 154 महिला हज यात्री शामिल है। जिसमें जिला बस्तर के 5, बिलासपुर के 52, दुर्ग के 99, कोरिया के 1, रायपुर के 146, बलौदा बाजार के 6, बेमेतरा के 5, बालोद के 8, बलरामपुर जिले के 4 हाजियों की वापसी हुई। उन्होंने बताया कि हज यात्रियों की वापसी पर एयरपोर्ट में लगेज उपरांत प्रत्येक हज यात्री को 5 लीटर जम- जम उपलब्ध कराया गया। एयरपोर्ट में हाजियों का गुलपोशी से राज्य हज कमेटी द्वारा इस्तकबाल किया गया।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

## खास खबर...

### मुख्यमंत्री ने बिसाहू दास महंत की पुण्यतिथि पर उन्हें अर्पित किए श्रद्धासुमन

**रायपुर।** मुख्यमंत्री बघेल ने आज अपने निवास कार्यालय में संयुक्त मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री स्वर्गीय बिसाहू दास महंत की 23 जुलाई को पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि महंत का पूरा जीवन जनसेवा से जुड़ा रहा। महंत जी ने अविभाजित मध्यप्रदेश में विधायक तथा मंत्री के रूप में प्रदेश के विकास के लिए अपनी अमूल्य सेवाएं दी है। उन्होंने खेती-किसानी, सिंचाई तथा सड़कों के माध्यम से लोगों की बेहतरी के काम को बखूबी अंजाम दिया।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा है कि कोसा एवं बुनकर व्यवसाय को प्रदेश से लेकर विदेशों तक ख्याति दिलाने में बिसाहू दास महंत जी का अतुलनीय योगदान रहा है, इसे देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्वर्गीय बिसाहू दास महंत के नाम पर हर साल राज्य के श्रेष्ठ बुनकरों को पुरस्कृत करने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार द्वारा मंहत जी के सम्मान में शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय कोरबा का नामकरण स्वर्गीय बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय कोरबा किया गया है। हमारे पुरोधा विकास की जो विरासत छोड़ गए हैं, उसे नये आयाम देने की दिशा में राज्य सरकार आगे बढ़ रही है। इस अवसर पर राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन उपस्थित रहे।

# कबीर को हमेशा सुनते आए है, आज भी सुन रहे है लेकिन फिर भी मन नहीं भरताः मुख्यमंत्री बघेल

**किस्सागोई के माध्यम से कहने-सुनने की परंपरा को पुनः स्थापित करने के लिए युवा कलाकारों के पहल को सराहा**

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राजधानी रायपुर स्थित पंडित जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में आयोजित 'दास्तान-ए-कबीर' कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री बघेल ने दर्शक दीर्घा में बैठकर संत कबीर की दास्तानगो को पूरा सुना और इसका आनन्द लिया। मुख्यमंत्री ने किस्सागोई के माध्यम से कहने-सुनने की परंपरा को पुनः स्थापित करने के लिए युवा कलाकारों के पहल को सराहा। गौरतलब है कि दास्तांगोई के लिए मशहूर कलाकार हिमांशु बाजपेयी सहित अजय टिपानिया, सुश्री प्रज्ञा शर्मा और वेदांत भारद्वाज ने संगीतमय प्रस्तुति दी।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कबीर को हम सभी हमेशा सुनते आए है और आज भी सुन रहे है, लेकिन फिर भी मन नहीं भरता। यह खुशी की बात है कि युवा कलाकारों ने ही युवा पीढ़ी को कबीर से परिचय कराने का संकल्प लिया है और संत कबीर की कहानियां वो सुना रहे है। मुख्यमंत्री ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि खेत से फसल काटकर ब्यारा में लाने और मिसाई तक के इन डेढ़-दो महीनों में उन्हें कहानी सुनने का बड़ा अच्छा मौका मिलता था। गांव के जो लोग काम करते थे वे बहुत अच्छी-अच्छी कहानियां सुनाते थे। लोक जीवन में कहानियों का अपना संसार है और उसकी अपनी दुनिया है। कहानियों से सीखते-समझते हम बड़े हुए। आज की युवा पीढ़ी कहानियां नहीं सुनती। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि पुस्तक पढ़कर जो बातें समझ नहीं आती, उन्हें छोटी-छोटी कहानियों और घटनाओं के माध्यम से उसे सहज ही समझा जा सकता है। कहानियों का अपना रस है, बड़ी सीख भी कहानियां आसानी से सीखा जाती है, अन्य विधाओं में ऐसा कम ही होता है। मुख्यमंत्री बघेल ने युवा कलाकारों के प्रयासों की प्रशंसा की और आगे भी ऐसे आयोजन की बात दोहराई। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कलाकारों को शॉल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पद्मश्री मदन चौहान, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष पंकज शर्मा, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. राकेश गुप्ता, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

# रिटर्निंग अधिकारियों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के चार दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

विधानसभा आम निर्वाचन के सफल संचालन के लिए नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर्स ने दिया प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** प्रदेश में आगामी विधानसभा आम निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा सभी 33 जिलों के रिटर्निंग अधिकारियों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों के लिए छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया था। रिटर्निंग और सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को 18 जुलाई से 21 जुलाई तक चार दिनों का आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। राज्य के भारतीय प्रशासनिक सेवा के आठ प्रशिक्षु अधिकारियों को भी प्रशिक्षण में शामिल किया गया था। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को 22 जुलाई को एक दिवसीय प्रशिक्षण भी दिया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर्स ने प्रदेश के अधिकारियों को निर्वाचन से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी।

भारत निर्वाचन आयोग के अधिकारियों की मौजूदगी में 18 जुलाई से राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर्स ने अधिकारियों को प्रशिक्षण देने की शुरूआत की। राज्य की मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने उद्घाटन सत्र में अधिकारियों को निर्वाचन के सफल संचालन के लिए प्रशिक्षण के महत्व को रेखांकित किया। राज्यभर से आए लगभग 300 अधिकारियों को छह बैचों में विभाजित कर प्रतिदिन प्रातः साढ़े नौ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक प्रशिक्षण दिया गया।

नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर्स ने रिटर्निंग अधिकारियों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को आदर्श आचार संहिता, नाम निर्देशन, जिला निर्वाचन प्रबंधन कार्यक्रम, पोस्टल बैलेट, मतगणना, निर्वाचन परिणामों की घोषणा आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया। सभी अधिकारियों को ईवीएम मशीनों के संचालन का व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। अधिकारियों ने ईवीएम मशीन को स्वयं संचालित कर इसकी कार्यप्रणाली को समझा। निर्वाचन के विषयों के साथ-साथ निर्वाचन के दौरान मेडिकल इमरजेंसी की घटनाओं जैसे हृदयाघात, सर्पदंश, मिर्गी जैसी स्थितियों में जनहानि को रोकने के बारे में भी अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

# यू-ट्यूब चैनल्स के इम्पैनलमेंट के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

### आवेदन की अंतिम तिथि 3 अगस्त निर्धारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य एवं राज्य के बाहर के पात्र यू-ट्यूब चैनल्स को इम्पैनलमेंट किए जाने के लिए ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 03 अगस्त 2023 निर्धारित है। यूट्यूब चैनलों के इम्पैनलमेंट हेतु जनसंपतर्क संचालनालय स्तर पर आयुक्त/ संचालक द्वारा अपर संचालक की अध्यक्षता में एक समिति गठित की जाएगी। इस समिति की अनुशंसा पर आयुक्त/ संचालक द्वारा इम्पैनलमेंट की कार्यवाही की जाएगी। इम्पैनलमेंट की अवधि एक वर्ष की होगी। जिसका नियमित अंतराल पर पुनः समीक्षा करने का अधिकार समिति का होगा।

### तीन श्रेणियों में किया जाएगा इम्पैललमेंट

यूट्यूब चैनलों का इम्पैनलमेंट तीन श्रेणियों ए, बी एवं सी में किया जाएगा। ए श्रेणी में इम्पैनलमेंट हेतु न्यूनतम 30 लाख सब्सक्राईबर होना अनिवार्य हैं। ए श्रेणी में छत्तीसगढ़ राज्य से संचालित एवं राज्य के बाहर से संचालित न्यूज एवं करेंट अफेयर चैनलों का इम्पैनलमेंट किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के बाहर से संचालित न्यूज चैनलों के इम्पैनलमेंट हेतु उनका छत्तीसगढ़ में लोकप्रिय होना अनिवार्य है। बी श्रेणी के अंतर्गत न्यूज एवं करेंट अफेयर्स से संबंधित यूट्यूब चैनलों को छोड़कर छत्तीसगढ़ से संचालित मनोरंजन, ट्रैवल, फूड, शिक्षा, संस्कृति, लोक कला एवं अन्य विषयों से संबंधित यूट्यूब चैनलों का इम्पैनलमेंट किया जाएगा। बी श्रेणी में इम्पैनलमेंट हेतु न्यूनतम 50 हजार सब्सक्राईबर होना अनिवार्य है। सी श्रेणी के अंतर्गत छत्तीसगढ़ से संचालित न्यूज एवं करेंट अफेयर्स से संबंधित यूट्यूब चैनलों का इम्पैनलमेंट किया जाएगा। सी श्रेणी में इम्पैनलमेंट हेतु यूट्यूब चैनल का न्यूनतम 10 हजार सब्सक्राईबर होना अनिवार्य है।

### विस्तृत नियम एवं शर्तें वेबसाईट पर उपलब्ध

इम्पैनलमेंट के लिए विस्तृत नियम एवं शर्तें जनसम्पर्क संचालनालय की वेबसाईट http://jansampark.cg.gov.in में अवलोकन किया जा सकता है। ऑनलाइन आवेदन पत्र के संबंध में किसी प्रकार के संशोधन की सूचना उक्त वेबसाईट में ही प्रदर्शित की जायेगी।

# सम्मान से बेहतर कार्य करने की मिलती है प्रेरणाः राज्यपाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा आयोजित ''उत्कृष्टता अलंकरण समारोह'' और पंचम विधानसभा के विधायकों के लिए आयोजित बिदाई समारोह में मुख्य अतिथि बतौर शामिल हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, संसदीय कार्य मंत्री रविन्द्र चौबे, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, विधानसभा के उपाध्यक्ष संतराम नेताम सहित केबिनेट के अन्य मंत्रीगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में उत्कृष्ट विधायकों एवं उत्कृष्ट संसदीय पत्रकारों को सम्मानित करने की यह परंपरा अत्यंत सराहनीय है। इससे विधायकों एवं मीडियाकर्मियों को बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

इस कार्यक्रम में सत्तापक्ष की विधायक संगीता सिन्हा और प्रतिपक्ष की विधायक रंजना दिपेन्द्र साहू को वर्ष 2022 का उत्कृष्ट विधायक सम्मान और विधायक धर्मजीत सिंह को पंचम विधानसभा के जागरूक विधायक सम्मान से नवाजा गया। प्रिंट मिडिया के राहुल जैन और इलेक्ट्रानिक मीडिया के देवव्रत भगत और कैमरामेन रोहित श्रीवास्तव को उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार का सम्मान दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरिचंदन ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक मजबूत विधायिका जनहित, विकास और सुशासन का आधार स्तंभ है। निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को जनता की सेवा करने का सर्वोत्तम अवसर मिलता है, उन पर राज्य और नागरिकों के हित में काम करने की भी जिम्मेदारी है। इसी प्रकार मीडिया विधायिका, कार्यपालिका और नागरिकों के बीच सेतु का काम करता है। छत्तीसगढ़ में मीडिया ने अपने विभिन्न रूपों के माध्यम से न केवल आम जनता को जागरूक, शिक्षित किया है, बल्कि राज्य के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस अवसर पर पंचम विधानसभा के सदस्यों को बिदाई भी दी गई। राज्यपाल

हरिचंदन ने सभी से आग्रह किया कि अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से ऊपर उठकर सदैव जनहित एवं जनकल्याण के लिए कार्य करें। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि छत्तीसगढ़ विधानसभा की गिनती देश की सर्वश्रेष्ठ विधानसभाओं में होती है। विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जो सामंजस्य और सम्मान का भाव है, वो निश्चित तौर पर प्रशंसनीय है।

राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी की मदद से कामकाज संचालन को अभिनव पहल बताया और कहा कि पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग जैसे गंभीर मुद्दो पर और ज्यादा कार्य करने की जरूरत है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सभी से यह अपील कि जनभागीदारी से वर्ष 2025 तक छत्तीसगढ़ से टीबी को खत्म करने के लक्ष्य पर काम करें। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि पिछले साढ़े चार सालों में छत्तीसगढ़ विधानसभा में संसदीय मूल्यों को संरक्षित रखते हुए छत्तीसगढ़ की श्रेष्ठता के लिए बेहतर कार्य किया। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा में 18 प्रतिशत महिला विधायक है। विधानसभा के सभी सदस्यों ने जनसेवा को अपना ध्येय माना और संसदीय दायित्वों को बखूबी पूरा करने में योगदान दिया है। सभी सदस्यों ने संसदीय आचार, व्यवहार और संस्कृति को सीखा और मजबूती प्रदान की। नेता प्रतिपक्ष चंदेल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। आभार प्रदर्शन संसदीय कार्यमंत्री रविन्द्र चौबे द्वारा किया गया। राज्यपाल हरिचंदन ने मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियो को स्मृति चिन्ह भेंट किया। राज्यपाल को भी विधानसभा द्वारा सम्मानित किया गया। पंडित उमादत्त शर्मा द्वारा संकलित एवं झाबरमल्ल शर्मा द्वारा संपादित ''भारतीय देश भक्तों की कारावास कहानी'' पुस्तक का विमोचन राज्यपाल ने किया।

### छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अनेक स्वस्थ परंपराओं व नियमों को स्थापित किया

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के विगत पांच साल का कार्यकाल बहुत चुनौती पूर्ण रहा। लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष ने मिलकर छत्तीसगढ़ के विकास के लिए काम किया। इस विधानसभा ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए है। कोविड महामारी के दौरान भी विधानसभा की कार्यवाही कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए जारी रही। विगत 23 वर्ष के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अनेक स्वस्थ परंपराओं व नियमों को स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा ने विकास के अनेक सोपान गढ़े हैं। चाहे पक्ष हो या विपक्ष या अन्य दल के सदस्य हों सभी का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मिलकर काम करना है। सत्ता पक्ष ने विधानसभा में अनेक ऐसे प्रस्ताव लाए जो छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मील का पत्थर साबित हुए। विपक्ष के सदस्यों ने भी सत्ता पक्ष की कमजोरियों को उजागर करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया।

## आम सूचना

सर्वसाधारण आम जनता एवं संस्थाओं को सूचित किया जाता है कि मेसर्स छत्तीसगढ़ आन्ध्रा रोड लाइंस पंजीयन क्रमांक 222202344141 दिनांक 21/07/2023 पता जूनियर एमआईजी 46 ए वैशाली नगर वार्ड 10 भिलाई जिला दुर्ग छग में दो भागीदार क्रमशः श्वेता सोनी पिता सुरेन्द्र कुमार भंडारी पता जूनियर एमआईजी 46 ए वैशाली नगर वार्ड 10 भिलाई जिला दुर्ग 490023 एवं हेमंत कुमार सोनी पिता जीतेन्द्र कुमार सोनी पता जूनियर एमआईजी 46 ए वैशाली नगर वार्ड 10 भिलाई जिला दुर्ग 490023 थे। दिनांक 22 जुलाई 2023 को मेसर्स हेमंत कुमार सोनी एचयूएफ करता श्री हेमंत कुमार सोनी पता एमआईजी 46 ए वैशाली नगर वार्ड 10 भिलाई जिला दुर्ग 490023 नियम व शर्तों का पालन करते हुए नए भागीदार के रूप फर्म से जुड़ गए हैं।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था अथवा समाज को किसी प्रकार का दावा आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के भीतर हमारे या पंजीयक कार्यालय दुर्ग में आपत्ति अथवा दावा लिखित में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के उपरांत आने वाले किसी भी तरह के दावा आपत्ति पर कोई विचार या मान्य नहीं किया जाएगा।

**भागीदार**
**मेसर्स छत्तीसगढ़ आन्ध्रा रोड लाइंस**
**दिनांक 23/07/2023**

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

# सुहाना खान अब बड़े पर्दे पर देंगी दस्तक, शाहरुख और सिद्धार्थ आनंद संभालेंगे प्रोडक्शन का जिम्मा

सुहाना खान की पहली फिल्म द आर्चीज अभी रिलीज नहीं हुई कि इससे पहले ही दूसरी फिल्म उनके हाथ लग गई है। इससे भी दिलचस्प बात यह है कि सुहाना की इस फिल्म के प्रोडक्शन का काम उनके सुपरस्टार पिता शाहरुख खान संभालने वाले हैं। फिल्म का नाम अभी सामने नहीं आया है। इसके जरिए सुहाना सिनेमाघरों में एंट्री करने वाली हैं। शाहरुख इस फिल्म के सह-निर्माता होंगे। वह सिद्धार्थ आनंद के साथ मिलकर यह फिल्म बनाने वाले हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख जवान की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। डंकी का शूट जल्द ही खत्म होगा। शाहरुख के प्रशंसक उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानने को बेताब हैं। जानकारी मिली है कि डंकी के बाद शाहरुख, सिद्धार्थ के साथ मिलकर एक फिल्म बनाने वाले हैं। इसका निर्माण उनकी प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मार्फलिक्स पिक्चर्स के बैनर तले होगा। हालांकि, पहले खबर थी कि डंकी के बाद शाहरुख टाइगर बनाम पठान का काम शुरू करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, शाहरुख इस साल के अंत में फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। पठान के बाद उन्हें दोबारा सिद्धार्थ के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। हालांकि, इस बार सिद्धार्थ बतौर निर्माता फिल्म से जुड़े हैं। फिल्म से जुड़ी सबसे खास बात है कि इसके जरिए शाहरुख की बेटी सुहाना की बड़े पर्दे पर एंट्री हो रही है। बाप-बेटी पहली बार किसी फिल्म में साथ आने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। शाहरुख फिल्म में अभिनय भी करेंगे।

फिल्म के लिए निर्देशक का चयन हो गया है, लेकिन नाम सामने नहीं आया है। सुहाना के अलावा फिल्म में कई शानदार कलाकार नजर आने वाले है। फिल्म की कास्टिंग प्रक्रिया जारी है। 2024 में यह फिल्म रिलीज होगी। फिल्म से शाहरुख की भूमिका का खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन कहा जा रहा है कि उनका किरदार उतना ही होगा, जितना डियर जिंदगी में था। यह फिल्म भी शाहरुख ने ही बनाई थी, जिसमें आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में थीं।

द आर्चीज एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी है। इस फिल्म से सुहाना बॉलीवुड में कदम रख रही हैं। सुहाना के साथ फिल्म से जाह्नवी कपूर की बहन खुशी कपूर और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा भी फिल्मी दुनिया में पदार्पण कर रहे हैं। हालांकि, उनकी यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। द आर्चीज लोकप्रिय कॉमिक सीरीज आर्चीज का भारतीय रूपांतरण है। जोया अख्तर के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कहानी कुछ दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है।

## कैरी ऑन जट्टा 3 ने रचा इतिहास, पंजाबी फिल्म उद्योग की पहली 100 करोड़ी फिल्म

पिछले दिनों रिलीज हुई फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 दर्शकों को यह फिल्म खूब पसंद आ रही है। फैंस से मिल रहे भरपूर प्यार की बदौलत फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 100 करोड़ रुपए को पार कर गया है। यह पहली पंजाबी फिल्म है जो 100 करोड़ी क्लब में शामिल हुई है। मशहूर ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने कैरी ऑन जट्टा 3 के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की जानकारी दी है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि कैरी ऑन जट्टा 3 ने इतिहास रच दिया है। दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने बेंचमार्क सेट कर दिया है। फिल्म ने 100 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया है। स्मीप कांग द्वारा निर्देशित, यह फिल्म भारत में 560 स्क्रीन और 30 से अधिक देशों में 500 स्थानों पर रिलीज की गई। फिल्म को इसके हल्के-फुल्के, मजेदार कंटेंट के लिए पॉजिटिव प्रतिक्रिया मिली है। आपको बता दें कि कैरी ऑन जट्टा सीरीज की ये तीसरी फिल्म है। फिल्म का पहला भाग साल 2012 में आया था। दूसरा साल 2018 में और अब तीसरा 29 जून 2023 को रिलीज हुआ है। फिल्म को रिलीज हुए अभी एक महीना भी पूरा नहीं हुआ। लोगों को एक्टर गिप्पी ग्रेवाल और एक्ट्रेस सोनम बाजवा की जोड़ी बहुत पसंद आई। फिल्म में कविता कौशिक, गुरपीत घुग्गी, जसविंदर भल्ला, करमजीत अनमोल की भी खास भूमिकाएं हैं। इस फिल्म की यूएसपी पागलपन और हंसना है, जो हर पंजाबी परिवार में देखा जाता है। पिछले दिनों सलमान खान ने भी फिल्म की तारीफ की थी।

## 'नीरजा' में मेरी भूमिका मेरी क्षमता को परखने का मौका है: स्नेहा वाघ

फैमिली ड्रामा 'नीरजा' में प्रोतिमा की भूमिका निभा रहीं टीवी एक्ट्रेस स्नेहा वाघ ने कहा कि यह शो उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ और यह एक नई भूमिका में उनकी क्षमता को परखने का अवसर है।

'नीरजा एक नई पहचान' दिखाती है कि एक मां और सेक्स वर्कर प्रोतिमा कोलकाता के कुख्यात रेड-लाइट जिले सोनागाछी में रहते हुए अपनी बेटी नीरजा के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए किस हद तक जा सकती है।

किरदार के बारे में बात करते हुए स्नेहा ने कहा, यह शो मेरे करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। मैंने इस भूमिका को निभाने का फैसला किया क्योंकि यह एक नई भूमिका में अपनी क्षमता का परीक्षण करने का अवसर है।

उन्होंने कहा, यह शो मेरी मां से प्रेरणा लेने का मौका लेकर आया, जो मुझे हर चीज में सर्वश्रेष्ठ देने के लिए जमीन-आसमान एक कर देती थी। यही कारण है कि प्रोतिमा की भूमिका मुझे अनमोल लगती है। वह अपने किरदार प्रोतिमा को एक 'दृढ़ और आशावादी' महिला कहती हैं, जिसने एक बदनाम जगह सोनागाछी में रहने से पैदा होने वाली कठिनाइयों का अनुभव किया है। एक्ट्रेस ने कहा, मां की भूमिका की तैयारी के लिए मुझे किरदार के भावनात्मक परिदृश्य में गहराई से उतरना पड़ा। निर्देशक, लेखकों और साथी कलाकारों के साथ मिलकर काम करते हुए, मेरा लक्ष्य प्रोतिमा के प्यार, ताकत और दृढ़ संकल्प का वास्तविक चित्रण करना था।

# रोजाना करें एक कीवी का सेवन मिलेंगे ये 5 प्रमुख स्वास्थ्य लाभ

कीवी डाइटरी फाइबर और विटामिन- सी का शक्तिशाली स्रोत है, जो विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं। डाइटरी फाइबर पाचन क्रिया को मजबूती देने, ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने और वजन घटाने में मदद करता है, जबकि विटामिन- सी प्रतिरक्षा में सुधार करने, अस्थमा के इलाज में सहायता करनेऔर मुक्त कणों से लड़ने जैसे लाभ देने में मदद करता है। ऐसे में रोजाना एक कीवी का सेवन करने से आपको ये 5 प्रमुख स्वास्थ्य लाभ भी मिल सकते हैं।

### अस्थमा रोगियों में फेफड़ों की कार्यप्रणाली को बेहतर करने में है सहायक

कीवी में मौजूद विटामिन- सी की उच्च मात्रा अस्थमा के इलाज में मदद कर सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि इसके सेवन से घरघराहट और अस्थमा से पीड़ित बच्चों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। कीवी अस्थमा जैसी श्वसन संबंधी बीमारियों में सुधार लाने में सक्षम है। यह फल प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में भी बेहतरीन काम करता है। यह ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से लड़ने में मदद करता है और लाभकारी प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को बढ़ावा देता है।

### हृदय स्वास्थ्य के लिए है लाभदायक

कीवी पोटेशियम से भरपूर होती है, जो हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक पोषक तत्व है। अध्ययनों के मुताबिक, हर दिन 4,069 मिलीग्राम पोटेशियम का सेवन करने वाले व्यक्तियों में हृदय रोग से मृत्यु का जोखिम 49 प्रतिशत कम होता है। कीवी ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने में भी मदद करती है। इसका सेवन प्लेटलेट सक्रियता और प्लाज्मा लिपिडसी के स्तर को कम करने में सहायक है। ये 2 कारक हैं, जो हृदय संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं।

### मधुमेह रोगियों के लिए है फायदेमंद

कीवी में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो इसे मधुमेह के रोगियों के लिए एक आदर्श फल बनाती है। 100 ग्राम कीवी में महज 5 ग्राम ग्लूकोज होता है, जिसका रक्त ग्लूकोज पर इसका प्रभाव कम पड़ता है। एक मीडियम कीवी में 11 ग्राम कार्ब्स भी होते हैं, जो कि अधिकांश अन्य फलों की तुलना में कम होता है। फल में मौजूद फाइबर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

### वजन घटाने में है कारगर

आजकल ज्यादातर लोग बहुत तैलीय और बाहरी चीजें का सेवन करने लगे हैं, जिसकी वजह से वजन बढने की समस्या आम हो चुकी है। ऐसे में कीवी का सेवन बढ़ते वजन की समस्या से छुटकारा दिला सकता है। इसका कारण है कि कीवी एक कम कैलोरी वाला फल है और इसमें वसा की मात्रा भी कम होती है। इसके अलावा यह फाइबर से भरपूर होता है। यह सभी गुण वजन घटाने वाले के लिए इसे आदर्श बनाते हैं।

### त्वचा के स्वास्थ्य के लिए बेहतरीन है कीवी

त्वचा के लिए कीवी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें आवश्यक विटामिन्स शामिल होते हैं, जो त्वचा की समस्याओं से राहत दिला सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण रूखी और सेंसटिव त्वचा के लिए उपयुक्त होता है। त्वचा को स्वस्थ रखने, नमी बनाए रखने, मुंहासों को दूर करने और त्वचा को सूरज की पराबैंगनी किरणों से बचाने के लिए कीवी का सेवन सहायक हो सकता है।

# बैकलेस बॉडीकॉन गाउन में अवनीत कौर ने ढाया कहर

'टीकू वेड्स शेरू' फिल्म में नजर आईं 21 साल की एक्ट्रेस अवनीत कौर मोस्ट ग्लैमरस और सिजलिंग एक्ट्रेस में शुमार हैं। अवनीत कौर अपनी हर एक कातिलाना अदाओं से फैंस को मदहोश कर देती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की, जिनमें उनका किलर लुक और हॉट अंदाज देखने लयाक है। वहीं, फैंस भी उनकी अदाओं को देखकर आहें भरने पर मजबूर हो गए हैं। टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली 21 वर्षीय एक्ट्रेस अवनीत कौर हमेश अपने हॉट एंड बोल्ड लुक्स के कारण लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं, जिनमें वह कहर बरपाती नजर आ रही हैं। अवनीत ने अपने लेटेस्ट फोटोशूटर से सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी और उनकी ये तस्वीरें चंद मिनटों में ही इंटरनेट पर वायरल हो गई। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई बैकलेस बॉडीकॉन गाउन में अवनीत कौर की इन तस्वीरों को देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। ब्लू कल के बॉडी हगिंग गाउन में अवनीत कौर कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक हॉट एंड सिजलिंग पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं। बैकलेस गाउन में अवनीत कौर ने एक से बढ़कर एक किलर एंड हॉट पोज दिए है, जिनमें उनका बोल्ड लुक देख फैंस आहें भरने पर मजबूर हो गए हैं। बैकलेस ड्रेस में एक्ट्रेस अवनीत कौर का डिजाईनिंग टैटू साफ दिखाई दे रहा है, जो उनके लुक और ज्यादा हॉट बना रहा है। अवनीत कौन ने अपने इस लुक को ब्राइट मेकअप और किलर एटीट्यूड के साथ और भी शानदार बनाया। कानों में इयरिंग्स और खुले जुल्फों के साथ अवनीत कौर अपनी किलर अदाओं के साथ फैंस के दिलों को धड़काती दिखाई दे रहीं हैं। इन तस्वीरों में अवनीत कौर अपने कर्वी फिगर को जमकर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। अवनीत कौर, वरुण धवन और जाह्नवी की फिल्म 'बवाल' की स्क्रिनिंग में इतने बोल्ड अवतार में पहुंचीं थी और हर किसी की नजर उनपर अटक गईं। अवनीत के इस हॉट लुक ने 'बवाल' के इवेंट में कहर ढा दिया और बैकलेस ड्रेस में एक्ट्रेस अपनी बैक भी फ्लॉन्ट करती दिखीं। किलर एटीट्यूड और बैकलेस ड्रेस में अवनीत कौर अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस के दिलों को छलनी करती नजर आईं।

# मैंने प्यार किया की तर्ज पर राजश्री प्रोडक्शंस ने घोषित की नई प्रेम कहानी डोनो

तीन दशक पहले प्रतिष्ठित प्रेम कहानी मैंने प्यार किया बनाने के लिए जाना जाता है, राजश्री प्रोडक्शन जेन नेक्स्ट के लिए मासूम रोमांस के एक और ताज़ा विचार के साथ लौटने के लिए तैयार है। प्रोडक्शन हाउस ने अपने नवीनतम उद्यम की घोषणा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया जो कि जियो स्टूडियो के सहयोग से है। डोनो नाम की इस फिल्म का निर्देशन अवनीश एस. बड़जात्या द्वारा किए जाने की उम्मीद है, जिन्हें राजश्री की अगली पीढ़ी का निर्देशक माना जाता है।

आगामी रोमांटिक ड्रामा के निर्माताओं द्वारा हाल ही में जारी एक बयान में, यह कहा जा रहा था कि फि ल्म का उद्देश्य मासूमियत और रोमांस के युग को वापस लाना है जो 1989 की प्रसिद्ध फिल्म मैंने प्यार किया में मौजूद था, जिसमें सलमान खान और भाग्यश्री थे। बयान में कहा गया है, हिंदी फिल्म उद्योग में अपने 75वें वर्ष को चिह्नित करते हुए, राजश्री प्रोडक्शंस (पी) लिमिटेड ने संपूर्ण पारिवारिक मनोरंजन की अपनी विरासत को आगे बढ़ाया है और अपनी 59वीं फिल्म, एक प्रेम कहानी, जिसका नाम - डोनो है, की घोषणा करके रोमांस को उसके शुद्धतम रूप में वापस लाया है। राजश्री की अगली पीढ़ी के निर्देशक - अवनीश एस. बड़जात्या द्वारा निर्देशित, डोनो का टीज़र 25 जुलाई को आएगा। यह फिल्म एक ताज़ा प्रेम कहानी होगी जो आपको मैंने प्यार किया के आकर्षण को फिर से देखने पर मजबूर कर देगी। निर्माताओं ने एक वीडियो का भी अनावरण किया जिसमें शीर्षक घोषणा क्लिप में शांत समुद्र तट की लहरों की पृष्ठभूमि में डोनो शब्द दिखाया गया है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

## खास खबर

### मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लोकमान्य तिलक और चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर उन्हें अर्पित किए श्रद्धासुमन

**रायपुर।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और स्वर्गीय चंद्रशेखर आजाद की 23 जुलाई को जयंती पर उनके छायाचित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया है। स्वतंत्रता के लिए उनके संघर्ष को याद करते हुए सीएम बघेल ने कहा कि तिलक जी और आजाद जी ने अपना पूरा जीवन देशप्रेम के लिए समर्पित कर दिया और अंतिम क्षण तक स्वाधीनता के लिए संघर्ष करते रहे। उनकी राष्ट्रभक्ति आज भी लोगों को प्रेरणा देती है।

सीएम बघेल ने कहा कि लोकमान्य तिलक जी ने महाराष्ट्र में गणेश उत्सव की शुरूआत कर सामाजिक समरसता के नए युग का सूत्रपात किया। स्वाधीनता के लिए संघर्ष के दौरान उन्होंने 'स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है और इसे मैं लेकर रहूंगा' जैसे नारों से लाखों भारतीयों के मन में आजादी के लिए अलख जगा दी। श्री चंद्रशेखर आजाद के बलिदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद की राष्ट्रभक्ति आज भी हजारों युवाओं में देशप्रेम और नई ऊर्जा भर देती है। सीएम बघेल ने कहा कि स्वाधीनता के लिए महापुरूषों का अमर बलिदान हमेशा याद किया जाएगा। इस अवसर पर राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन उपस्थित रहे।

### 25 से फिर बनेगा सिस्टमः छत्तीसगढ़ में जमकर हुई बारिश, गरज चमक से साथ पड़ेंगी बौछारें

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय है। मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। बीते दिन शनिवार को सुबह हल्की मध्यम बारिश हुई। इसके



बाद तेज धूप निकला। इससे उमस से लोग परेशान रहे। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में देर शाम से लेकर आज सुबह तक गरज चमक के साथ हल्की बारिश होती रही। आज भी प्रदेश के कई भागों में बारिश की संभावना है।

मौसम एक्सपर्ट एचपी चंद्रा ने बताया कि छत्तीसगढ़ में कम ज्यादा बारिश हो रही है। कुछ दिनों तक यही स्थिति रहेगी। इसके बाद 25 जुलाई के आगे पीछे के दिनों में बंगाल की खाड़ी में एक सिस्टम बनने की संभावना है। इससे राजधानी रायपुर समेत पूरे प्रदेश में अच्छी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, मानसूनी द्रोणिका जैसलमेर, दिघा, रतलाम, बेतूल, चंद्रपुर, कोंडागांव, गोपालपुर और उसके बाद दक्षिण पूर्व की ओर उत्तर अंडमान सागर तक 2.1 किमी ऊंचाई तक फैली है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवती दक्षिण परिसंचरण विदर्भ और लगे दक्षिण छत्तीसगढ़ के ऊपर 4.5 किमी ऊंचाई पर स्थित है। एक हवा का शियर जोन 20 डिग्री उत्तर में औसत समुद्र तल से 3.1 किमी से 5.8 किमी ऊंचाई के साथ दक्षिण की ओर झुका हुआ है। 24 जुलाई के आसपास दक्षिण उड़ीसा, उत्तरी आंध्र प्रदेश के उत्तर-पश्चिम और निकटवर्ती पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक नया निम्नता भाव बनने की संभावना है।

### छत्तीसगढ़ में बारिश के आंकड़े सेंटीमीटर में

गुंडरदेही-9 सेंटीमीटर, दुर्गकोंदल-8 सेंटीमीटर, तखतपुर, पाटन में 7 सेंटीमीटर, भोपालपटनम, भानुप्रतापपुर में 6 सेंटीमीटर, चारामा, लाभांडीह, कांकेर, नारायणपुर, डोंगरगांव में 5 सेंटीमीटर, बालोद, पखांजूर, राजनांदगांव, धमधा, कुरूद, छुईखदान में सेंटीमीटर, लोरमी, माकड़ी, खैरागढ़, जगदलपुर, छुरा, मगरलोड, महासमुंद, अभनपुर, धमतरी, बीजापुर, अंतागढ़, बकावंड, मस्तूरी, डोंगरगढ़, आरंग में 3 सेंटीमीटर, पामगढ़, कोटा, गरियाबंद, बलौदा, पलारी, बेरला, जशपुरनगर, सरायपाली, रायपुर, दुर्ग, तमनार, बसना, साजा, मोहला, अकलतरा, तिल्दा में 2 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई है।

# 36 आईटीआई के आधुनिकीकरण के लिए टाटा टेक्नोलॉजीस के बीच 1188.36 करोड़ की एमओयू

### अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की होगी स्थापनाः 10 हजार युवा होंगे लाभान्वित

टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड द्वारा चयनित प्रत्येक आईटीआई में अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की स्थापना की जाएगी तथा प्रशिक्षण कार्य हेतु प्रत्येक आईटीआई में प्रारंभ में दो प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। प्रशिक्षित युवाओं के प्लेसमेंट में टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड एवं उसके सहयोगी उद्योग सहयोग प्रदान करेंगे। योजना से प्रतिवर्ष लगभग 10 हजार युवा लाभान्वित होंगे। गौरतलब है कि टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के सहयोग से राज्य के तकनीकी संस्थानों को टेक्नोलॉजिक हब के रूप में विकसित करने तथा कृषि अनुसंधान व नवाचार केन्द्रों के रूप में उन्नयन हेतु राज्य योजना आयोग एवं टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के मध्य मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में 01 अक्टूबर 2022 को एमओयू किया गया था। इसकी अगली कड़ी के रूप में आज टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के सहयोग से राज्य की निम्नलिखित 36 शासकीय आई.टी.आई. के उन्नयन हेतु एमओयू किया गया।

### युवाओं को मिलेंगे अपने कौशल को विकसित करने के अच्छे अवसरः मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

श्रीकंचपनथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपस्थिति में विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के 36 शासकीय आईटीआई के आधुनिकीकरण के लिए लगभग 1188.36 करोड़ की परियोजना पर तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग और टाटा टेक्नोलॉजीस के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

एमओयू के तहत टाटा टेक्नोलॉजीस द्वारा राज्य के 36 आईटीआई में युवाओं को 6 नए ट्रेडों में तथा 23 शॉर्ट टर्म कोर्स में प्रशिक्षण दिया जाएगा। टाटा टेक्नोलॉजीस द्वारा राज्य के चयनित आईटीआई में अत्याधुनिक तकनीकी वर्कशॉप की स्थापना तथा प्रशिक्षकों की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा राज्य के युवाओं को बड़ी कम्पनियों में प्लेसमेंट दिलाने में टाटा और उनकी सहयोगी कंपनी सहयोग करेंगी। कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के संचालक अवनीश शरण तथा टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के प्रेसिडेंट पवन भगेरिया ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री उमेश पटेल, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य खनिज विकास निगम के अध्यक्ष गिरीश देवांगन, राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला, सचिव टोपेश्वर वर्मा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आईटीआई के उन्नयन और आधुनिकीकरण से राज्य के युवाओं को अपने कौशल को विकसित करने का अच्छा अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार द्वारा अनेक नवाचार किए गए हैं, जिससे किसानों, मजदूरों, वनांचलों में रहने वाले आदिवासियों की आय में वृद्धि हुई है। पिछले साढ़े चार वर्षों में लोगों की जेब में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लगभग एक लाख 60 हजार करोड़ रूपए की राशि डाली गई है, इससे व्यापार और उद्योगों को गति मिली है और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी कोशिश है कि गांव उत्पादन का केंद्र और शहर व्यापार के केंद्र के रूप में स्थापित हों। छत्तीसगढ़ में खेती-किसानी लाभप्रद बनने से शहरों से लोग गांव की ओर आ रहे हैं।

### रीपा को आधुनिक बनाने टाटा टेक्नोलॉजीस से सहयोग का आग्रह

मुख्यमंत्री बघेल ने टाटा टेक्नोलॉजीस के अधिकारियों से कहा कि गांव में छोटे-मोटे उद्योग स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में 300 रूरल इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित किए गए हैं, जहां व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए जमीन, बिजली, पानी, शेड, प्रशिक्षण, वाई-फाई की सुविधा एवं बैंकिंग लिंकेज उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने टाटा टेक्नोलॉजीस के अधिकारियों से रीपा तथा शहरी औद्योगिक केंद्रों को आधुनिक उद्योगों और नई तकनीक से लैस कर और अधिक विकसित करने में सहयोग का आग्रह किया। टाटा टेक्नोलॉजीस के अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और यहां रोजगार के अवसर विकसित करने के राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की।

### इन आईटीआई का होगा उन्नयन

टाटा टेक्नोलॉजीस लिमिटेड के सहयोग से जिन आईटीआई का उन्नयन किया जाएगा उनमें शासकीय आई.टी.आई. - बैकुण्ठपुर, ओड़गी वाड्रफनगर, मैनपाट, बगीचा, लोरमी, कोनी- बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर, अकलतरा, हसौद, रायगढ़, खरसिया, राजनांदगांव, डोंगरगांव, मानपुर, छुईखदान, पण्डरिया, गुण्डरदेही, दल्लीराजहरा, गुरूर, दुर्ग, पाटन, धरसींवा, हीरापुर, आरंग, अभनपुर, भाटापारा, सिमगा, बागबाहरा, पिथौरा, कांकेर, अंतागढ़, चारामा, नगरनार एवं दंतेवाड़ा शामिल हैं।

### 6 नवीन तकनीकी ट्रेडों में मिलेगा प्रशिक्षण

आईटीआई उन्नयन परियोजना के अंतर्गत राज्य के युवाओं को विश्व स्तर के अत्याधुनिक निम्नलिखित 6 नवीन तकनीकी ट्रेडों में प्रशिक्षण की सुविधा प्राप्त होगी। इसमें एक वर्षीय ट्रेड में आर्टीजन यूजिंग एडवांस टूल, इंडस्ट्रीयल रोबोटिक्स एण्ड डिजिटल मैन्यूफैचरिंग टेक्निशियन, मैन्यूफैचरिंग प्रोसेस कण्ट्रोल एण्ड ऑटोमेशन शामिल हैं। इसी प्रकार दो वर्षीय ट्रेड में एडवांस सी.एन.सी. मशीनिंग, बेसिक डिजायनर एण्ड वर्चुअल वेरिफायर (मैकेनिकल), मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल के ट्रेड शामिल हैं।

## रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कैपिटल की 24वीं इंस्टालेशन सेरेमनी संपन्न

### आलोक अग्रवाल अध्यक्ष एवं गौरव शर्मा सचिव नियुक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** रोटरी क्लब ऑफरायपुर कैपिटल का 24वां इंस्टालेशन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कैपिटल की 24वीं इंस्टालेशन सेरेमनी होटल शैमरॉक ग्रीन्स रायपुर में संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन मंजीत सिंह अरोरा, असिस्टेंट गवर्नर डॉ प्रीता लाल एवं विशेष अतिथि रायपुर पश्चिम के विधायक विकास उपाध्याय उपस्थित थे। इस अवसर पर रोटेरियन आलोक अग्रवाल अध्यक्ष एवं गौरव शर्मा सचिव नियुक्त किये गए। निवर्तमान अध्यक्ष डॉ राका शिवहरे ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में क्लब की आगामी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। विशेष अतिथि विधायक विकास उपाध्याय ने रोटरी के कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मानवता की सेवा में रोटरी क्लब द्वारा निस्वार्थ भाव से किये गए कार्यों से सभी को प्रेरणा लेनी चाहिये।

इस अवसर पर इनरव्हील क्लब के पदाधिकारियों ने भी पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पाँच नए सदस्यों को रोटरी पिन पहना कर सदस्यता प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में रायपुर के विभिन्न रोटरी क्लब के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मंजीत अरोरा ने रोटरी क्लब के विभिन्न सेवा कार्यों के प्रोजेक्ट एवं इस वर्ष की थीम के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की। श्रीमती प्रीता लाल असिस्टेंट गवर्नर के द्वारा रोटरी के होप थीम एवं रोटरी क्या है उसके बारे में विस्तार से जानकारी दी कार्यक्रम में क्लब के चार्टर मेंबर जे पी शाह विजय नत्थानी एस एस वालिया मुरली केवलानी एवं क्लब के वरिष्ठ सदस्य राजकुमार बजाज आदित्य झा एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे सतीश छूगानी ने मंच संचालन एवं धन्यवाद आदित्य झा ने किया इस कार्यक्रम के पूर्व क्लब द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया ।

## जल जीवन मिशनः राज्य में 26.91 लाख से अधिक परिवारों को मिला घरेलू नल कनेक्शन

श्रीकंचपनथ न्यूज

**रायपुर।** राज्य के ग्रामीण अंचलों में निःशुल्क घरेलू नल कनेक्शन देने का काम तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत 50 लाख 11 हजार 458 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिया जाना है। जिसके तहत वर्तमान में 26 लाख 91 हजार 422 घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके साथ-साथ राज्य के 43 हजार 981 स्कूलों, 41 हजार 725 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 17 हजार 290 ग्राम पंचायत भवनों और सामुदायिक उप-स्वास्थ्य केन्द्रों में टेप नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। जिसमें छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिला सर्वाधिक 2 लाख 39 हजार 943 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देने में अग्रणी है। इसी तरह राजनांदगांव जिला 1 लाख 84 हजार 770 तथा रायगढ़ जिला 1 लाख 60 हजार 267 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देने में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में प्रति व्यक्ति, प्रतिदिन 55 लीटर के मान से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसके लिए सभी जिलों में कार्ययोजना तैयार कर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस मिशन के तहत घरेलू नल कनेक्शन के अतिरिक्त स्कूल, उप-स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी रनिंग वाटर की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही साथ जमीनी स्तर पर राज्य में सिंगल विलेज स्कीम और मल्टी विलेज स्कीम सहित अन्य पेयजल योजनाओं सहित जल जीवन मिशन के कार्यों का क्रियान्वयन सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी डॉ. एस. भारतीदासन और मिशन संचालक आलोक कटियार द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है।

जल जीवन मिशन के तहत अब तक रायपुर जिले में 1 लाख 40 हजार 061, बलौदाबाजार-भाटापारा में 1 लाख 31 हजार 849, महासमुंद जिले में 1 लाख 31 हजार 180, धमतरी जिले में 1 लाख 27 हजार 625, कवर्धा 1 लाख 19 हजार 303, बिलासपुर जिले में 1 लाख 16 हजार 315, दुर्ग 1 लाख 12 हजार 956 और बेमेतरा जिले में 1 लाख 09 हजार 334 नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसी तरह मुंगेली में 1 लाख 08 हजार 862, बालोद में 01 लाख 06 हजार 686, गरियाबंद 87 हजार 047, बलरामपुर में 83 हजार 321, सरगुजा जिले के 80 हजार 668, जशपुर में 81 हजार 609, कोरबा में 79 हजार 560, सूरजपुर में 75 हजार 157, बस्तर में 74 हजार 529, कांकेर 70 हजार 693, कोण्डागांव में 70 हजार 459, कोरिया में 67 हजार 761, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 35 हजार 715, सुकमा में 28 हजार 474, बीजापुर 25 हजार 746, दंतेवाड़ा में 24 हजार 192 और नारायणपुर जिले में 17 हजार 340 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

## सोन नदी पर बना डायवर्सन हो रहा जर्जर, बांध में रिसाव से दहशत में लोग

श्रीकंचपनथ न्यूज

**जीपीएम।** छत्तीसगढ़ गठन के बाद छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने सिंचाई सुविधाओं को बढ़ाने के लिए कई परियोजनाओं का निर्माण कराया। उन्हीं परियोजनाओं में से एक था पेंड्रा मरवाही क्षेत्र से निकलने वाली सोन नदी पर डायवर्सन बांधों का निर्माण। इसी क्रम में सोन नदी पर अपर सोन डायवर्शन एवं लोअर सोन डायवर्सन जैसी कई योजनाएं बनाई गई। ताकि इस क्षेत्र के किसानों को इन नदियों के पानी का फायदा मिल सके, योजना के क्रियान्वयन के बाद बने इन बांधों से क्षेत्र मैं बड़े पैमाने पर सिंचाई हुई एवं एक बड़ा क्षेत्र सिंचित हो सका, लगभग 22 वर्ष पुराने कंक्रीट से बने इस बांध पर मरम्मत का कोई बड़ा काम नहीं किया गया।

नतीजतन इस बड़े बांध के मुख्य एबटमेंट वाल खराब हो गई है, प्लास्टर उखड़ गया है ,जगह जगह पर क्रैक नजर आ रहे हैं जिसमें पौधे उगाए हैं, अबेटमेंट वाल के क्रैक से से पानी का रिसाव हो रहा है। इतना ही नहीं बांध के लोअर स्ट्रीम के विंग वाल से पानी का फव्वारा फूट पड़ा है। लगातार रिसता पानी यह बताने के लिए काफी है कि दीवार जर्जर हो चुकी है। जो कभी भी टूट सकती है पर विभाग ने अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया है। ग्रामीण भी कहते हैं कि बांध बनने के बाद मरम्मत नहीं की गई जिससे बांध जर्जर हो रहा है। जिसकी मरम्मत करना आवश्यक है अन्यथा बांध को बड़ा नुकसान हो सकता है।

सोन नदी पर बने इस बड़े बांध में काफी पानी आता है जिससे हर बार इसमें यह बांध ओवरफ्लो होता है, पानी के इसी प्रेशर से एबटमेंट वाल एवं विंग वाल से रिसाव हो रहा है। हालांकि जल संसाधन विभाग मरवाही के कार्यपालन अभियंता कहते हैं कि उन्हें इसकी जानकारी है इसकी मरम्मत के लिए प्रस्ताव भेजा गया है जैसे ही स्वीकृति होगी मरम्मत की जाएगी। छत्तीसगढ़ बनने के बाद पेंड्रा मरवाही क्षेत्र में सिंचित भूमि के रकबे में दोगुना से ज्यादा विकास हुआ है, पर इन स्टॉप डेमो की मरम्मत न करने से जहां स्टॉप डेम खराब हो रहे हैं वही पानी के प्रेशर से कभी भी कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है।

### साल खपरी तस्करों पर हुई कार्रवाई

**रायपुर।** वन मंत्री की पहल पर वन अपराधियों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व गरियाबंद के एंटी पोचिंग टीम के द्वारा दो साल खपरी तस्करों पर कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन में फरार आरोपी शिशुपाल, एवं सीताराम की पतासाजी करने उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व गरियाबंद के एंटी पोचिंग टीम उड़ीसा के सीमावर्ती क्षेत्र में लगे हुए उड़ीसा प्रांत के नवरंगपुर जिला में गये हुए थे, उसी दौरान सूचना प्राप्त हुआ कि उड़ीसा राज्य के दो अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा ग्राम बिरीघाट में साल खपरी तस्करी करते सूचना मिली। गौरतलब है कि अज्ञात व्यक्ति मौके पर साल खपरी 1.200 कि.ग्रा. को छोडकर फरार हो गये। जिसकी खोजबीन के दौरान ग्राम राजकोट के पास लालधर पिता हरिसिंग, उम्र 39 वर्ष और टीकम पिता नीलधर, उम्र 29 वर्ष, ग्राम राजकोट, थाना चंदाहांडी, जिला नवरंगपुर (उड़ीसा) को संदेह के आधार पर पुछताछ की। पुछताछ के दौरान दोनों व्यक्तियों ने जुर्म स्वीकार किया। उनके विरुद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 9,44,50,51 एवं 52 के तहत वन अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय गरियाबंद के समक्ष प्रस्तुत किया।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

## खास-खबर

### महिला को फोन कर बेटे का हाथ पैर तोड़वाने की धमकी

**महासमुंद (ए)।** मोबाइल पर फोन कर बेटे का हाथ पैर तोड़वाने व जान से मारने की धमकी देने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ बसना पुलिस ने मामला दर्ज किया। घटना बसना शहर की है। पुलिस के अनुसार वार्ड नंबर 8 बसना निवासी मुजक्करा बेगम 19 जुलाई रात 9 बजे अपने घर में थी।

उसी समय उसके पति कमरद्दीन शाह के मोबाइल में मोबाइल नंबर 8839200320 से काल आया। पति घर के बाहर थे। प्रार्थिया ने कॉल अटेंड किया तो वार्ड क्रमांक 8 निवासी अमित अग्रवाल ने फोन में ही बेटे लुकमान शाह के बारे में पूछताछ करके धमकाने लगा। प्रार्थिया ने मना किया तो अश्लील गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दिया और बेटे का हाथ पैर तोड़ दूंगा कहा।

### गर्भपात कराने के मामले में आरोपी युवक गिरफ्तार

**महासमुंद (ए)।** शादी का प्रलोभन देकर युवती से शारीरिक संबंध बनाने और गर्भपात कराने वाले युवक को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। सरायपाली पुलिस के अनुसार एक युवती ने 20 जुलाई को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि ग्राम बोंदानवापाली निवासी लक्ष्मीकांत श्रीवास पिता विनोद श्रीवास (23) ने शादी का प्रलोभन देकर शारीरिक संबंध बनाया। युवक को जब गर्भवती होने की जानकारी हुई तो उसने 20 जुलाई शाम 7 बजे सेमलिया नाले के पास दवाई खिलाकर गर्भपात करा दिया।

रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ धारा 313, 376, (2)(ढ) कायम कर विवेचना में लिया गया। बाद आरोपी की पतासाजी की जा रही थी। इसी दौरान 21 जुलाई को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी अपने ग्राम बोंदानवापाली में कहीं छिपा हुआ है। सूचना पर छिपे हुए ठिकाने पर दबिश देकर घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अपराध करना स्वीकार किया। बाद आरोपी को रिमांड पर भेजा गया है।

### जंगल से सटे गांव में मिला सांभर का शव

**बलौदाबाजार (ए)।** जिले के सोनाखान वन परिक्षेत्र में शुक्रवार को एक नर सांभर का शव पाया गया। सांभर की मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है. हालांकि वन ग्राम वासियों का कहना है कि, यह सांभर भी आवारा कुत्तों का शिकार बना है। इस क्षेत्र में आवारा कुत्तों ने एक हफ्ता पहले ही नर हिरण पर हमला किया था। उसका शव भी क्षेत्र से बरामद किया गया।

दरअसल, ये मामला कसडोल विकासखंड अंतर्गत पड़ने वाले सोनाखान वन परिक्षेत्र का है. सोनाखान वन परिक्षेत्र में एक हफ्ते के अंदर दूसरे वन्यप्राणी की मौत हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि कुत्ते के हमले से जानवरों की मौत हो रही है. बताया जा रहा है कि गुरुवार दोपहर सोनाखान वन परिक्षेत्र के देवतराई बीट में एक बड़ा सांभर मृत पड़ा था।

# ढाबे में दोस्ती और खाने की दावत चार दोस्तों को बदमाशों ने लूटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**जशपुर।** छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में लूट का एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां के कांसाबेल थाना क्षेत्र के एक शख्स से ढाबे में एक व्यक्ति मिलता है परिचय बढ़ाने के बाद मोबाइल नंबर ले लेता है। इसके बाद फोन कर लगातार खाने की दावत देता रहता है। इसबीच शख्स अपने तीन दोस्तों के साथ अपने ढाबे वाले परिचित के पास पहुंच जाता है। यहां शराब पार्टी के साथ खाना होने के बाद ऐसा कुछ होता है कि चारों के साथ डंडे से मारपीट की जाती है। उनके मोबाइल व फोन पे व गूगल पे के माध्यम से उनके रुपए लूट लेते हैं। इस पूरे मामले में शिकायत होने के बाद पुलिस ने एक महिला सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं तीन आरोपी फरार हैं।

यह पूरा मामला थाना तुमला क्षेत्र के ग्राम कोल्हेनझरिया का है। कांसाबेल सलियाटोली निवासी रविशंकर यादव (27) ने तुमला थाने पहुंचकर अपनी शिकायत में बताया कि 16 जुलाई की दोपहर वह कांसाबेल स्थित एक ढाबा में खाना खा रहा था। इस दौरान उसे सुशील यादव व अन्य एक व्यक्ति मिला। खाना खाने के दौरान सुशील यादव ने रविशंकर से दोस्ती कर ली और उसका अपना मोबाइल नंबर देकर उसका भी मोबाइल नंबर ले लिया। इसके बाद सुशील यादव समय-समय पर प्रार्थी को फोन करता और खाने की दावत देता रहता था।

इस बीच 20 जुलाई को की दोपहर को रविशंकर अपने 3 दोस्तों के साथ स्कार्पियो से जामझोर गांव गया था। इस दौरान सुशील यादव ने फोन किया और खाने की दावत दी। इस दौरान रविशंकर उसके बुलावे पर अपने साथियों के साथ गंव कोल्हेनझरिया स्थित सागौन बागान के पास पहुंचा। यहां सुशील यादव अपने एक दोस्त के साथ मोटर सायकल से आया और सभी को एक नाला झरिया के पास ले गये।

### साथ बैठकर की शराब पार्टी

यहां सुशील यादव ने रविशंकर से कहा खाने की व्यवस्था है पीने के लिए ला लेते हैं। इसके बाद सभी स्कॉर्पियो से सिकाजोर जाकर बीयर व शराब ले आए। साथ में बैठकर सभी ने शराब पी और खाना खाया। इस दौरान सुशील यादव ने रविशंकर व दोस्तों को लड़की से मिलवाने की बात कही और फोन कर दो लड़कियों को बुला लिया। तभी पांच से 6 लोग पहुंच गए सभी को धमकाने लगे। इन लोगों ने रविशंकर व उसके दोस्तों को लड़कियों से रेप करने व केस में फंसाने की धमकी दी और डंडे से मारपीट भी की। इसके बाद जबरन उनके पास से 2500 रुपए नगद व फोन पे व गूगल पे के माध्यम से कुल 52100 लूट लिए। पूरे पैसे खिरो यादव नाम के शख्स के खाते में ट्रांसफर कराया। इसके बाद इनका मोबाइल भी रख लिए और 10-10 हजार देकर मोबाइल ले जाने की बात कही।

### चार गिरफ्तार, तीन आरोपी फरार

रविशंकर की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 294, 323, 506, 342, 386, 388, 120 (बी) दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी सुशील यादव, खिरो यादव, डिसो यादव व 27 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया। पूछताछ में इन सभी ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ प्लान बनाकर इस वारदात को अंजाम देना बताया। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर उनके पास से पांच मोबाइल व मोटर साइकिल जब्त किया है। तीन अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक भरतलाल साहू, प्राधान आरक्षक जेम्स खलखो, आरक्षक देवसिंह एक्का, बलराम साय पैंकरा, राकेश एक्का, अशोक भगत आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

### बीजापुर में मुठभेड़

# एक नक्सली ढेर, पिस्टल सहित नक्सली सामान बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बीजापुर।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार की सुबह पोटेनार व केशामुंडी के पहाड़ व जंगलों में सुरक्षाबल व नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया है। जवानो ने मारे गए नक्सली का शव बरामद कर लिया है। शव के पास से जवानों ने एक पिस्टल, मैगजीन और नक्सली सामान बरामद किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के जांगला व भैरमगढ़ के सरहदी गांव पोटेनार व केशामुंडी के जंगल में भैरमगढ़ एरिया कमेटी के 10 से 15 नक्सलियों मौजूद होने की सूचना मिली थी। सूचना पर शुक्रवार को डीआरजी, बस्तर फाइटर व सीआरपीएफ 222 बटालियन की संयुक्त पार्टी को रवाना किया गया था। शनिवार सुबह केशामुंडी के जंगल व पहाड़ में सर्चिंग के दौरान वहां पहले से घात लगाये बैठे नक्सलियों ने जवानों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी।

इसके बाद जवानों ने भी जवाबी हमला किया। करीब आधे घंटे दोनों तरफ से हुई फायरिंग के बाद नक्सली पहाड़ की आड़ लेकर भाग निकले। केशामुंडी के जंगल पर सर्चिंग में जवानों ने एक अज्ञात नक्सली का शव बरामद किया, जिसके पास से 1 पिस्टल और दो राउंड मैगजीन है। एडिशनल एसपी चंद्रकांत गवर्ना ने बताया कि घटनास्थल के आसपास सर्चिंग करने पर नक्सलियों के डेरा से कोडेक्स वायर, जिलेटिन स्टीक, फ्यूज वायर, पिट्ठू, नक्सली वर्दी, नक्सली साहित्य व रोजमर्रा के सामान बरामद किए गए हैं। फिलहाल मारे गए नक्सली के शिनाख्त की कार्रवाई की जा रही है।

# मुंगेली के दू व्हीलर शोरूम में लगी भीषण आग मालिक देखता रहा और जल गई लाखों की गाड़ियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

**मुंगेली।** छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में बीती रात बड़ा अग्निकांड हो गया है। यहां के लोरमी नगर पंचायत के अंतर्गत स्थित एक दू व्हीलर शोरूम में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि देखते ही देखते फैल गई। फायर ब्रिगेड को सूचना देने के बाद लगभग डेढ़ घंटे बद दमकल कर्मी पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और शोरूम में रखे सभी बाइक चलकर खाक हो गए थे। इस दौरान शोरूम का मालिक भी बाहर से पूरा नजारा देख रहा था और फूट-फूटकर रो रहा था।

मिली जानकारी के अनुसार मुंगेली जिले के लोरमी में शुक्रवार देर रात महेश मोटर्स के शो रूम में भीषण आग लग गई। शोरूम का संचालक महेश कश्यप रोज की तरह रात को शोरूम बंद कर घर चला गया था। इसके बाद रात 10 बजे के करीब शो रूम के अंदर से आग की लपटें उठती दिखाई दीं। आसपास के लोगों ने इसकी जानकारी शो रूम संचालक मनीष कश्यप को दी। मौके पर मनीष कश्यप पहुंच गया और अपने सामने शोरूम को जलता देखता रहा। बताया जा रहा है कि आसपास के लोगों ने फायर ब्रिगेड को पहले ही सूचना दी लेकिन उसे पहुंचने में डेढ़ घंटे का समय लग गया।

फायर ब्रिगेड के साथ-साथ पुलिस व प्रशासन की टीम भी पहुंची। आग जब जल रही थी तब शोरूम से धमाकों की आवाजें भी सुनाई दे रही थी। इस बीच शोरूम का संचालक रोने लगा था। फायर ब्रिगेड की टीम ने किसी तरह से आग पर काबू पाया लेकिन तब तक शोरूम पूरा जल चुका था। सुबह तक रह रहकर आग निकलती रही जिसे लोग बुझाते रहे। बताया जा रहा है कि इस हादसे से शोरूम में रखी लगभग 120 मोटरसाइकिले जलकर खाक हो गई। फिलहाल नुकसान का अंदेशा नहीं लगाया जा सका है। संभावना जताई जा रही है कि लगभग डेढ़ से दो करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

# 18 फीट ऊंचे पेड़ पर युवक ने लगाई फांसी, जांच में जुटी टीम

**दरिमा (ए)।** रात में खाना खाकर सोने गए युवक ने घर से दो किमी दूर जंगल जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दरिमा थाना क्षेत्र के अंतर्गत परमेश्वर सिंह पिता ईश्वर सिंह उम्र 22 वर्ष अंबिकापुर में ठेकेदारों के साथ बिजली विभाग में काम करता था। 21 जुलाई को वह रोज की तरह अंबिकापुर से काम कर शाम लगभग 6 बजे घर लौटा और रात करीब 9 बजे तक खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया। इसी बीच युवक रात 11 बजे अपने घर से किसी को बिना बताए निकला और घर से दो किमी दूर जंगल में जाकर 18 फीट ऊंचे सरई के पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी।

सुबह जब परिजन ने युवक की तलाश की तो उसका कुछ पता नहीं चला। वहीं कुछ देर बाद जब गांव के दूसरे लोग जंगल की तरफ पुटू बीनने गए तो पेड़ पर युवक का लटकता हुआ शव दिखा। इसके बाद इसकी सूचना मृतक के परिजन को दी। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंचे परिजन सहित पुलिस और फॉरेंसिंक की टीम ने मशक्कत कर युवक को फंदे से नीचे उतारा। मौके से युवक का मोबाइल और चप्पल भी बरामद की गई। युवक की चप्पल सरई पेड़ के नीचे पड़ी थी। फिलहाल पुलिस और फॉरेसिंक की टीम जांच कर रही है। साथ ही परिजन से पूछताछ चल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि युवक का किसी युवती से प्रेम-प्रसंग चल रहा था, जिससे वह पिछले कई दिनों से अवसाद में चल रहा था।

# मोबाइल दुकान में चोरी के मामले में अब तक 72 मोबाइल बरामद

**रायपुर (ए)।** राजधानी के पचपेड़ी नाका स्थित दुकान से लाखों के मोबाइल चोरी के मामले में पुलिस ने 7 और फोन बरामद किए हैं। अब तक 72 मोबाइल फोन बरामद कर लिए हैं। बता दें कि इस मामले में अंतर्राज्यीय आरोपी मोह.सद्दाम खान को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी ने 5 जुलाई को पचपेढ़ी नाका चौक स्थित मां. लक्ष्मी टेलीकॉम मोबाईल दुकान से लाखों रुपये कीमत का मोबाईल फोन चुराए थे। एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना टिकरापारा पुलिस की संयुक्त

टीम ने आरोपी मोह. सद्दाम खान पिता शब्बीर खान उम्र 28 साल निवासी ग्राम मुत्तौर थाना ललौली जिला फतेहपुर उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर कब्जे से चोरी की विभिन्न कम्पनियों के 65 नग मोबाईल फोन जुमला कीमती लगभग 15,00,000/- रुपये जब्त कर उसे पुलिस रिमाण्ड लिया था।

पुलिस रिमाण्ड के दौरान टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी से पूछताछ कर उसकी निशानदेही पर कब्जे से मण्डला मध्यप्रदेश से चोरी के अन्य 7 नग मोबाईल फोन जुमला कीमती लगभग 5,00,000/- रुपये जप्त किया गया है। इस प्रकार अब तक आरोपी के कब्जे से विभिन्न कम्पनियों के कुल 72 नग मोबाईल फोन जुमला कीमती लगभग 20,00,000/- रुपये जब्त किये जा चुके है।

### देवपहरी वॉटरफॉल से शिक्षक की लाश बरामद

# पिकनिक मनाने आए टीचर तेज बहाव में बह गए थे, जैसे-तैसे बची थी 2 लोगों की जान

**कोरबा (ए)।** कोरबा जिले के देवपहरी जलप्रपात में शुक्रवार को बह गए शिक्षक की लाश बरामद कर ली गई है। दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने के लिए गए शिक्षक सत्यजीत राहा (55 वर्ष) पानी के तेज बहाव में बह गए थे। उनके 2 साथियों को किसी तरह से बचा लिया गया था। मामला लेमरू थाना क्षेत्र का है।

लेमरू थाना प्रभारी कृष्णा साहू ने बताया कि नगर सेना, गोताखोरों की टीम के साथ-साथ बिलासपुर की SDRF की टीम भी रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी हुई थी। 24 घंटे की मशक्कत के बाद शव को बरामद किया गया है। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि

शव गहरे भंवर में फंसा हुआ था, जिसे बड़ी मशक्कत के बाद निकाल लिया गया है।

जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा के रहने वाले, आयुष जैन (25 वर्ष), लक्ष्मीकांत शर्मा (45 वर्ष) और सत्यजीत राहा (55 वर्ष) पिकनिक मनाने के लिए 21 जुलाई को देवपहरी जलप्रपात पहुंचे थे। इनमें से सत्यजीत राहा अकलतरा में किसी स्कूल में टीचर थे। यहां पहुंचने पर तीनों ने मस्ती की, खाना खाया, फिर तीनों ने प्लान बनाया कि पानी को पार कर वे वॉटरफॉल के बीच में बने वॉच टावर में जाकर बैठेंगे।

दोपहर के करीब 12 बजे तीनों ने पानी को पार करना शुरू किया, लेकिन उसी समय पानी का बहाव तेज हो गया और तीनों बीच में ही फंस गए। तीनों किसी तरह वहां से निकलना चाहते थे, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। उसी दौरान तेज बहाव में सत्यजीत राहा बह गए, जबकि आयुष और लक्ष्मीकांत वहां पानी में ही पत्थर के सहारे खड़े रहे।

### बचाने की कोशिश की लेकिन बचा नहीं सके

अपने साथी को बहता हुआ देख आयुष और लक्ष्मीकांत ने उसे बचाने की कोशिश भी की, लेकिन बचा नहीं सके। इसके बाद उन्होंने चिल्लाना शुरू किया। जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत इस बात की सूचना पुलिस-प्रशासन को दी, फिर नगर सैनिक मौके पर पहुंचे और दोनों को रेस्क्यू किया। उधर, टीचर की तलाश भी गोताखोरों ने शुरू कर दी, लेकिन शुक्रवार शाम तक उसका कुछ पता नहीं चल सका था। पुलिस ने टीचर के परिजनों को इस बात की खबर दी थी। जिसके बाद से वे भी मौके पर पहुंच गए। शनिवार देर शाम सत्यजीत राहा की लाश बरामद हुई, जिसे पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया।


सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

# भविष्य और उम्मीद की बात

भेंट मुलाकात युवाओं के साथ

## संभाग स्तरीय युवा संवाद

## रायपुर संभाग से शुभारंभ

---

**सुबह 10 बजे, रविवार, 23 जुलाई 2023**

**सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, रायपुर**

**युवाओं के अनुभव सुनने और नवा छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं की भागीदारी पर चर्चा के लिए अब युवाओं से मिलेंगे**

## मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल

Ro.-37823/57

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprCg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग ( छ.ग. ) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950